लखनऊ

शनिवार, 12 जुलाई, 2025

वर्ष : 10 | अंक: 355

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

दीर्घायु होना नहीं बल्कि जीवन की गुणवत्ता का महत्व होता है। - मार्टिन लूथर किंग, जूनियर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

क्या चिड़िया तोता बन रही है? बिना नाम लिए शशि थरूर पर कांग्रेस नेता का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। शशि थरूर को लेकर अटकलों का दौर जारी है। कांग्रेस को लेकर उनके विचार ने सियासत में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। उनके नवीनतम आपातकाल पर लेख को लेकर उनकी पार्टी कांग्रेस के भीतर से नए सिरे से आलोचनाएं शुरू हो गई हैं, जिससे उनकी भविष्य की योजनाओं पर सवाल उठने लगे हैं। थरूर द्वारा 1975 में इंदिरा गांधी के शासनकाल में लगाए गए आपातकाल के दौरान गरीबों पर की गई क्रूरता का उल्लेख करने के एक दिन बाद, कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने थरूर पर फिर से निशाना साधा। टैगोर ने एक्स पर पोस्ट किया कि जब कोई सहकर्मी भाजपा की बातें शब्दशः दोहराने लगता है, तो आप सोचने लगते हैं – क्या चिड़िया तोता बन रही है? नकल चिड़ियों में अच्छी लगती है, राजनीति में नहीं। इसके अलावा, थरूर के गृह राज्य केरल, जहाँ अगले साल चुनाव होने हैं, के एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने सीधे तौर पर उनसे एक पक्ष चुनने को कहा। केरल से चार बार सांसद रह चुके थरूर द्वारा एक निजी फर्म के सर्वेक्षण को साझा करने के बाद के. मुरलीधरन ने कहा, 'उन्हें पहले यह तय करना चाहिए कि वह किस पार्टी से हैं।' सर्वेक्षण में कहा गया था कि राज्य में मुख्यमंत्री के लिए वह सबसे पसंदीदा विकल्प हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस मौके का फायदा उठाते हुए कांग्रेस पर हमला बोला और कहा कि वह उसी मानसिकता को पाल रही है जिसने आपातकाल लाया था। इसने चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के चल रहे पुनरीक्षण के खिलाफ बिहार में राहुल गांधी के विरोध प्रदर्शन की ओर भी इशारा किया। एक रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'यह विपक्षी दल की इस धारणा को रेखांकित करता है कि संवैधानिक संस्थाओं की वैधता उसकी चुनावी जीत या हार पर निर्भर करती है।'

'बिहार के मतदाताओं को वंचित होने से बचाएगा सुप्रीम कोर्ट का आदेश'; कांग्रेस का भाजपा पर निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश (जिसमें बिहार में चल रही चुनाव आयोग की विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई) स्पष्ट करता है कि किसी भी याचिकाकर्ता ने रोक लगाने की मांग नहीं की थी। कांग्रेस ने उम्मीद जताई कि यह फैसला बड़ी संख्या में मतदाताओं को मतदाता सूची से बाहर होने से बचाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को चुनाव आयोग से कहा कि बिहार में चल रही विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड जैसे दस्तावेजों को वैध मानकर विचार किया जाए। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जयमाल्या बागची की पीठ ने इसे सांविधानिक दायित्व बताया और चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी की दलीलों को सुनने के बाद बिहार के सात करोड़ से अधिक मतदाताओं के लिए चल रही प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति दी। कांग्रेस के संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, चुनाव आयोग को अब बिहार की विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया में मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी), आधार कार्ड और राशन कार्ड को स्वीकार करना होगा।

गैर-जिम्मेदाराना और अफ़सोसजनक...

मोदी की विदेश यात्रा की आलोचना करने पर MEA के निशाने पर भगवंत मान

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्रालय (MEA) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मान की टिप्पणी गैर-ज़िम्मेदाराना और अफ़सोसजनक थी। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने एक उच्च सरकारी अधिकारी द्वारा वैश्विक दक्षिण के मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों के बारे में की गई कुछ टिप्पणियाँ देखी हैं। ये टिप्पणियाँ गैर-ज़िम्मेदाराना और खेदजनक हैं और सरकारी अधिकारी को शोभा नहीं देतीं। भारत सरकार ऐसी अनुचित टिप्पणियों से खुद को अलग करती है जो मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों को कमज़ोर करती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसते हुए मान ने कहा कि प्रधानमंत्री ऐसे देशों का दौरा कर रहे हैं जहाँ की आबादी 10,000 है। मान ने कहा कहा था कि प्रधानमंत्री कहीं गए हैं। मुझे लगता है कि वह घाना है। वह वापस आएँगे और उनका स्वागत है। भगवान ही जाने वह किन देशों में जाते रहते हैं, 'मैग्नेशिया', 'गैल्वेइसा', 'टार्वेसिया'। वह 140 करोड़ की आबादी वाले देश में नहीं रहते। वह ऐसे देशों में जा रहे हैं जहाँ की आबादी 10,000 है और उन्हें वहाँ 'सर्वोच्च पुरस्कार' मिल रहे हैं। यहाँ, 10,000 लोग एक जेसीबी देखने के लिए इकट्ठा होते हैं... उन्होंने खुद को किस मुसीबत में डाल लिया है!'

प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राज़ील और नामीबिया की अपनी पाँच देशों की यात्रा से लौटे। उन्होंने ब्राज़ील की अध्यक्षता में रियो डी जेनेरियो में आयोजित 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी भाग लिया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया पाँच देशों की यात्रा ने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर, विशेष रूप से अफ्रीकी और दक्षिणी देशों के साथ सहयोग में, भारत की भूमिका में एक नए युग की शुरुआत की है।

उम्मीद है कि तेजस्वी और राहुल गांधी जैसे नेताओं को सद्बुद्धि आएगी...गौरव भाटिया का विपक्ष पर तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने एक बयान में कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर पर रोक नहीं लगाई है और यह राजद, कांग्रेस जैसे सभी अराजकतावादी दलों के लिए एक कड़ा संदेश है, जिनका भारत के संविधान और भारत के चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं में कोई विश्वास नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रक्रिया जारी रखने की अनुमति दी। उन्होंने कहा कि न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता के लिए यह प्रक्रिया भारत के चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में है। विपक्ष पर तंज कसते हुए भाटिया ने कहा कि हमें उम्मीद है कि तेजस्वी यादव और राहुल गांधी जैसे नेताओं को सद्बुद्धि आएगी और वे आत्मनिरीक्षण करेंगे और फैसले का सम्मान करेंगे। प्रत्येक नागरिक और भाजपा सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि भारत में लोकतंत्र फलता-फूलता रहे। वहीं, भाजपा प्रवक्ता डॉ. गुरु प्रकाश पासवान ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले के बाद लोगों को बरगलाने के लिए उठाए जाने वाले सवाल बंद होने चाहिए। उनहोंने कहा कि पिछले एक महीने से राहुल गांधी समेत विपक्षी नेता चुनाव आयोग पर सवाल उठाने आ रहे हैं, जो मुझे समझ नहीं आ रहा. सुप्रीम कोर्ट ने साफ़ टिप्पणी में कहा है कि यह एक नियमित काम है और इस पर बेवजह राजनीति नहीं होनी चाहिए।

आपको बता दें कि उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को चुनाव आयोग से कहा कि बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने पर विचार किया जाए। राज्य में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। एसआईआर को ''संवैधानिक दायित्व'' बताते हुए न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी की दलीलें सुनीं और आयोग को सात करोड़ से अधिक मतदाताओं वाले बिहार में एसआईआर जारी रखने की अनुमति दे दी।

खाटूश्यामजी में श्रद्धालुओं को लाठी-डंडों से पीटा, बारिश से बचने के लिए दुकान में हुए थे दाखिल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान के सीकर जिले में खाटू श्याम मंदिर के पास श्रद्धालुओं के एक समूह और स्थानीय दुकानदारों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दुकानदार श्रद्धालुओं पर लाठियों से हमला करते दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना शुक्रवार सुबह उस समय हुई जब इलाके में भारी बारिश हो रही थी। मध्य प्रदेश से कई श्रद्धालु दर्शन के लिए मंदिर आए थे। दर्शन के बाद, जैसे ही बारिश तेज हुई, कई श्रद्धालुओं ने पास की दुकानों में शरण ली।

ओडिशा में राहुल गांधी की संविधान बचाओ रैली, बोले– जल, जंगल, जमीन चुराना चाहती है भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को ओडिशा में संविधान बचाओ रैली नामक एक जनसभा में भाग लिया। यह सभा पार्टी द्वारा समर्थन जुटाने और महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों का हिस्सा है। इस दौरान राहुल ने भाजपा पर जमकर वार किया। उन्होंने कहा कि ओडिशा सरकार का बस एक ही काम है - राज्य की गरीब जनता के हाथों से ओडिशा की संपत्ति छीनना। पहले बीजद सरकार यही करती थी और अब भाजपा सरकार यही कर रही है। एक तरफ ओडिशा की गरीब जनता, दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग, किसान और मजदूर हैं, तो दूसरी तरफ 5-6 अरबपति और भाजपा सरकार है। यह लड़ाई जारी है। ओडिशा की जनता के साथ मिलकर कांग्रेस कार्यकर्ता ही इस लड़ाई को जीत सकते हैं, कोई और नहीं।

राहुल ने आगे कहा कि मैं कल बिहार में था। जैसे महाराष्ट्र में चुनाव चोरी की गई, वैसी ही कोशिश बिहार में भी हो रही है। चुनाव चोरी के लिए चुनाव आयोग ने एक नई साज़िश रची है। चुनाव आयोग भाजपा की शाखा की तरह काम कर रहा है, अपना काम नहीं कर रहा। महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच एक करोड़ नए मतदाता जुड़े। उन्होंने कहा कि कोई नहीं जानता कि ये मतदाता कौन थे और कहाँ से आए। हमने चुनाव आयोग से कई बार मतदाता सूची और वीडियोग्राफी उपलब्ध कराने को कहा। लेकिन चुनाव आयोग ने हमें ये नहीं दिए। वे बिहार में भी वही चोरी करने जा रहे हैं जो महाराष्ट्र में की गई थी। मैं कल बिहार गया था और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन के नेताओं के साथ मैंने कहा कि हम चुनाव आयोग और भाजपा को बिहार चुनाव की चोरी नहीं करने देंगे।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अडानी ओडिशा सरकार चलाते हैं, अडानी नरेंद्र मोदी चलाते हैं। जब ओडिशा में जगन्नाथ यात्रा निकलती है, जब जगन्नाथ यात्रा के रथ खींचे जाते हैं, तो लाखों लोग इसे देखते हैं और इसके पीछे चलते हैं। फिर, एक नाटक होता है - अडानी और उनके परिवार के लिए रथ रोक दिए जाते हैं। इससे आपको ओडिशा सरकार के बारे में सब कुछ समझ आ जाएगा। यह ओडिशा सरकार नहीं है, यह अडानी जैसे 5-6 अरबपतियों की सरकार है। इसका लक्ष्य आपकी ज़मीन, जंगल और भविष्य को लूटना है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि BJP आपसे जल, जंगल, जमीन चुराना चाहती है। उन्होंने आगे कहा क कुछ नया शुरू हो गया है। ओडिशा में 40,000 से ज़्यादा महिलाएँ गायब हो चुकी हैं। आज तक पता नहीं चला कि ये महिलाएँ कहाँ गईं। यहाँ हर रोज़ महिलाओं पर अत्याचार होता है। उनके साथ बलात्कार होता है। ओडिशा में हर रोज़ 15 महिलाओं के साथ बलात्कार होता है। आपकी सरकार चौबीसों घंटे सिर्फ़ आपका खून चूसती है, आपकी ज़मीन छीनती है।

महाराष्ट्र में चोरी और चोरों की सरकार, खड़गे का आरोप, संविधान से धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद को हटाने का प्रयास कर रही BJP

नई दिल्ली, एजेंसी। भुवनेश्वर में संविधान बचाओ रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा ने कहा कि आज भाजपा के लोग बड़े–बड़े दावे कर रहे हैं। लेकिन ओडिशा के लिए उनका योगदान शून्य है। उन्होंने कहा कि वे बिना कोई काम किए सिर्फ़ प्रचार चाहते हैं। लेकिन हम ओडिशा के लोगों के साथ खड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने ओडिशा के लिए काम किया और इसीलिए आज राज्य में इतने बड़े सार्वजनिक उपक्रम आए हैं। लेकिन मोदी जी ने कोई काम नहीं किया। इसके बजाय, वह आपकी कमाई और कांग्रेस द्वारा दी गई हर चीज़ को बेच रहे हैं।

चुनाव से पहले सीएम नीतीश की बड़ी सौगात, 1 करोड़ से अधिक लोगों के अकाउंट में 1100–1100 रुपये ट्रांसफर

पटना, एजेंसी। बिहार में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पटना स्थित अपने सरकारी आवास से 1.11 करोड़ लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरित की और विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तहत प्रत्येक को 1,100 रुपये प्रदान किए। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से कुल 1,227.27 करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित किए गए। इस कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा भी उपस्थित थे।

नीतीश कुमार ने कहा कि पहले हम सामाजिक सुरक्षा पेंशन के रूप में 400 रुपये प्रदान करते थे, जिसे अब बढ़ाकर 1,100 रुपये कर दिया गया है ताकि विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत विधवाओं, विकलांगों और वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिल सके। नीतीश ने कहा कि समाज के हर वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए हमलोग निरंतर प्रयासरत हैं ताकि सभी एक सम्मानजनक तथा बेहतर जीवन व्यतीत कर सकें।

विपक्ष और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कुमार ने कहा कि पिछले 20 सालों में जो कुछ भी हुआ है, उसमें उनका कोई खास योगदान नहीं है। 2005 से पहले कोई न कोई कुछ करता था, हम (राजद के साथ) गलती से दो बार वहाँ गए थे, लेकिन क्या इन लोगों ने कुछ खास किया है? उन्होंने आगे कहा कि बिहार में राजनीति का एक नया युग शुरू होगा और इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी मिलकर विकास के पथ पर आगे बढ़ेंगे।

खाटूश्यामजी में श्रद्धालुओं को लाठी-डंडों से पीटा, बारिश से बचने के लिए दुकान में हुए थे दाखिल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान के सीकर जिले में खाटू श्याम मंदिर के पास श्रद्धालुओं के एक समूह और स्थानीय दुकानदारों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दुकानदार श्रद्धालुओं पर लाठियों से हमला करते दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना शुक्रवार सुबह उस समय हुई जब इलाके में भारी बारिश हो रही थी। मध्य प्रदेश से कई श्रद्धालु दर्शन के लिए मंदिर आए थे। दर्शन के बाद, जैसे ही बारिश तेज हुई, कई श्रद्धालुओं ने पास की दुकानों में शरण ली।

कानून का मजाक नहीं चलेगा फर्जी मेडिकल बेल पर धरम सिंह छोकर को SC की फटकार, 600 करोड़ के घोटाले में तुरंत सरेंडर का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के पूर्व विधायक धरम सिंह छोकर 600 करोड़ के रियल एस्टेट घोटाले में फंसे हुए हैं. इस मामले में उनकोसुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने उनकी मेडिकल बेल बढ़ाने की अर्जी को न केवल खारिज कर दिया, बल्कि उनके वकील को झूठी दलीलें देने के लिए कड़ी फटकार लगाई। साथ ही छोकर को तुरंत जेल में सरेंडर करने का आदेश दे दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि छोकर और उनके वकील ने कोर्ट को गुमराह करने की कोशिश की। मेडिकल बेल बढ़वाने के लिए पेश किए गए दस्तावेज़ों को अदालत ने अविश्वसनीय और भ्रामक बताया। अदालत ने टिप्पणी की, ये कानून की प्रक्रिया का खुला मजाक उड़ाना है। दरअसल, छोकर ने यह दावा किया था कि उन्हें सर्जरी की जरूरत है, लेकिन हकीकत ये है कि वो 5 जुलाई को अस्पताल से डिस्चार्ज हो गए थे और सर्जरी हुई ही नहीं।

इसके बावजूद वो खुलेआम घूमते नजर आए। अदालत को यह भी बताया गया कि छोकर ने एम्स में इलाज से 2-3 बार खुद ही इनकार किया और अपनी 50 दिन की हिरासत में से 23 दिन अलग-अलग अस्पतालों में बिताए। इसमें गुरुग्राम का सिविल हॉपिस्टल और रोहतक का पीजीआईएमएस अस्पताल भी शामिल है, जिससे उनकी मेडिकल स्थिति पर और सवाल खड़े हो गए।

कहां से हुई थी गिरफ्तारी?

धरम सिंह छोकर को ईडी ने 5 मई 2025 को दिल्ली के पांच सितारा शांगरी-ला होटल के एक बार से गिरफ्तार किया था। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। छोकर करीब दो साल से फरार चल रहे थे और लगातार गिरफ्तारी से बचते आ रहे थे।

क्या है पूरा मामला?

ये 600 करोड़ का घोटाला करीब 3,700 फ्लैट खरीददारों से जुड़ा है, जो अभी तक अपने घरों का इंतजार कर रहे हैं। ईडी की जांच में छोकर की बड़ी भूमिका सामने आई है। इस घोटाले ने रियल एस्टेट सेक्टर की साख को झटका दिया है और हजारों लोगों के अपने घर के सपने को तोड़ दिया था। छोकर पुलिस की नौकरी छोड़कर राजनीति में कूदे थे और दो बार विधायक बने।

क्या बोला सुप्रीम कोर्ट?

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह कोर्ट को गुमराह करने और कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है। कानून का मजाक उड़ाने की ये कोशिश अब और नहीं चलेगी। तुरंत सरेंडर किया जाए। धरम सिंह छोकर का जेल भेजा जाना न्याय व्यवस्था के लिए एक मजबूत संदेश है कि चाहे कोई कितना भी रसूखदार क्यों न हो, कानून से ऊपर कोई नहीं है। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि झूठे मेडिकल बहानों और कानूनी प्रक्रिया के दुरुपयोग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कभी अपराध से सने थे हाथ, अब कैदी मशीन से पीसेंगे धनिया, हल्दी और मिर्च ; हर घर की किचन में खुशबू फैलाएंगे मसाले

इंदौर। सेंट्रल जेल के अंदर बंद कैदियों से जेल प्रशासन कई तरह के काम करवाता है और खास ट्रेनिंग भी देता है, जिससे कि बाहर आकर वो कुछ काम कर सकें और उनकी जिंदगी आसान हो सके। इसी क्रम में मध्य प्रदेश के इंदौर की सेंट्रल जेल में कैदियों के लिए मसाले पीसने का काम शुरू किया जाएगा।

यहां के कैदी जल्द ही धनिया, हल्दी और मिर्च के साथ-साथ गरम मसाले पीसते नजर आएंगे। ये मसाले जेल की रसोई के साथ-साथ बाहर की किचन में भी खुशबू फैलाएंगे। मध्य प्रदेश के जेल एवं सुधार सेवाएं विभाग के महानिदेशक गोविंद प्रताप सिंह ने गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के मौके पर सेंट्रल जेल में मां अहिल्या मसाला उद्योग का उद्घाटन किया।

कैदियों की दी जा रही ट्रेनिंग

उन्होंने कहा, ₹हम कैदियों को अलग-अलग उद्योगों में प्रशिक्षण दे रहे हैं, जिन्हें शुरू करने के लिए बहुत कम पूंजी की आवश्यकता होती है। यह जेल से रिहा होने के बाद उन्हें स्वरोजगार खोजने में मददगार साबित होगा।₹ जेल अधीक्षक अलका सोनकर ने बताया कि कैदी ऑटोमैटिक मशीनों से धनिया, हल्दी, कश्मीरी लाल मिर्च और गरम मसाला जैसे मसाले बनाएंगे।

आम जनता की रसोई तक भी पहुंचेंगे मसाले

उन्होंने कहा, 'कैदियों की ओर से तैयार किए गए मसालों का इस्तेमाल इंदौर और आसपास के जिलों की जेलों की रसोई में किया जाएगा। ये मसाले आम जनता के लिए भी 250 ग्राम, 500 ग्राम और एक किलोग्राम के पैकेट में केंद्रीय जेल के बाहर स्थित बिक्री केंद्र पर उपलब्ध होंगे।'

सोनकर ने कहा कि वह जिला प्रशासन से जेल विभाग को सरकारी छात्रावासों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों को मसाले आपूर्ति करने की अनुमति देने का भी अनुरोध करेंगी।

'भारत ने पूरी दुनिया को बचाया'

भारत रूस से तेल नहीं खरीदता तो प्रति बैरल 130 डॉलर तक पहुंच जाते दामः हरदीप

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि भारत की रूस से कच्चे तेल की निरंतर खरीद ने वैश्विक ऊर्जा कीमतों को स्थिर करने में मदद की है। रूस से तेल व्यापार रोकने पर कच्चे तेल की कीमतें 120-130 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जातीं।

जब एक प्रेस वार्ता के दौरान रूस के तेल खरीदने के बारे में पूछा गया तो मंत्री पुरी ने स्पष्ट किया कि रूस प्रतिदिन नौ मिलियन बैरल से अधिक कच्चा तेल उत्पादन करता है और यह दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल उत्पादकों में से एक है। उन्होंने कहा कि हमने पूरी दुनिया को महंगाई की मार बचाया।

उन्होंने कहा- "यदि वैश्विक तेल आपूर्ति में से लगभग 97 मिलियन बैरल में से नौ मिलियन बैरल अचानक गायब हो जाते तो पूरी दुनिया को खपत में 10 प्रतिशत से अधिक की कमी करनी पड़ती, जो असंभव है।"

भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए, लेकिन भारत ने अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए रूस से तेल खरीदना जारी रखा। पुरी ने कहा कि रूस का तेल कभी भी वैश्विक प्रतिबंधों के अधीन नहीं था और भारत ने मूल्य सीमा के तहत छूट पर तेल खरीदकर वैश्विक बाजारों को स्थिरता प्रदान की है।

कांवड़ यात्रा आज से शुरू, दिल्ली से नोएडा एंट्री करने वाले जरूर देखें ट्रैफिक एडवाइजरी, 15 दिन के लिए बदला रूट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

नोएडा। पुलिस ने 11 जुलाई से शुरू हो रही कांवड़ यात्रा 2025 को देखते हुए यातायात संबंधी सलाह (Traffic Advisory) जारी की है। गौतमबुद्ध नगर में कांवड़ियों की सुगम और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए, दिल्ली से गाजियाबाद, बुलंदशहर, हापुड़, मुरादाबाद और अन्य आस-पास के क्षेत्रों की ओर जाने वाले भारी, मध्यम और हल्के व्यावसायिक मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा।

ये यातायात प्रतिबंध 11 जुलाई, 2025 को रात 10 बजे से 25 जुलाई, 2025 तक लागू रहेंगे। पुलिस के मुताबिक, एक लेन विशेष रूप से कांवड़ियों के लिए समर्पित होगी, जबकि दूसरी लेन का उपयोग हल्के वाहनों की आवाजाही के लिए किया

जाएगा। कई प्रमुख राजमार्ग और अंतर-शहर मार्ग, खासकर जो दिल्ली, उत्तराखंड और पश्चिमी यूपी जिलों को जोड़ते हैं, भीड़ और दुर्घटनाओं से बचने के लिए बदले हुए यातायात प्रणाली के तहत काम करेंगे।

डीजीपी के दिशानिर्देशों के अनुसार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा और राजस्थान के अधिकारियों के बीच तुरंत तालमेल बनाने के लिए एक अंतर-राज्यीय व्हाट्सएप समूह बनाया गया है। यह समूह मार्ग की स्थितियों, सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन की रणनीतियों पर तुरंत अपडेट देगा। यातायात प्रवाह को सुचारू बनाने के लिए, मुख्य चौराहों और प्रमुख मार्गों पर उचित रोशनी, इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले बोर्ड और दिशा सूचक बोर्ड लगाए गए हैं। कांवड़ यात्रा मार्ग पर भीड़ की आशंका को देखते हुए कई राजमार्गों पर यातायात मोड़ने (डायवर्जन) की व्यवस्था भी की गई है।

इन पर पूर्ण प्रतिबंध

कांवड़ यात्रा के दौरान दिल्ली रेड लाइट से पहाड़ी विहार गेट तक वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी। गौतम बुद्ध नगर और दिल्ली के अधिकारियों के निर्देशों के अनुसार, दिल्ली से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर जाने वाले सभी मालवाहक वाहनों पर प्रतिबंध है, क्योंकि इससे भारी भीड़ और दुर्घटनाओं का जोखिम हो सकता है।

रूट डायवर्जन और प्रतिबंध

दिल्ली से रेड लाइट होते हुए गाजियाबाद, हापुड़ या मुरादाबाद की ओर जाने वाले सभी मालवाहक वाहनों (भारी, मध्यम और हल्के) को नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे से होकर जा सकते हैं और फिर अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे का उपयोग कर सकते हैं। दिल्ली से DND फ्लाईओवर के रास्ते नोएडा, गाजियाबाद, बुलंदशहर, हापुड़ या मुरादाबाद जाने वाले मालवाहक वाहनों को भी नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे और उसके बाद ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे का उपयोग करना होगा। आनंद विहार बॉर्डर से गाजियाबाद, बुलंदशहर, हापुड़ या मुरादाबाद जाने वाले वाहनों को नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे को निर्धारित वैकल्पिक मार्ग के रूप में उपयोग करना होगा।

NH-24 के रास्ते गाजीपुर बॉर्डर का उपयोग करने वाले मालवाहक वाहनों को भी व्यवधान (परेशानी) से बचने के लिए ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से होकर जाना चाहिए। नोएडा बॉर्डर से NH-24 के रास्ते गाजियाबाद, हापुड़ या मुरादाबाद की ओर जाने वाले व्यावसायिक वाहनों को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से होकर जाना होगा। कालिंदी कुंज से प्रवेश करने वाले और नोएडा एक्सप्रेसवे का उपयोग कर गाजियाबाद, हापुड़ या मुरादाबाद जाने की योजना बना रहे वाहनों को इसके बजाय ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर मोड़ना होगा। अलीगढ़, बुलंदशहर और सिकंदराबाद से दादरी NH-91 के रास्ते गाजियाबाद या दिल्ली की ओर जाने वाले वाहनों को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे का उपयोग करने का निर्देश दिया गया है। सिकंदराबाद या खुर्जा से आने वाले और नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के रास्ते दिल्ली पहुंचने की योजना बना रहे मालवाहक वाहनों को सिरसा गोल चक्कर से होकर जाना होगा और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे में प्रवेश करना होगा।

यमुना एक्सप्रेसवे डायवर्जन

बुलंदशहर, सिकंदराबाद, अलीगढ़, हापुड़ और मुरादाबाद से यमुना एक्सप्रेसवे का उपयोग करने वाले वाहनों को अपने गंतव्य (जगह) तक पहुंचने के लिए ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर जाना होगा।

हेल्पलाइन की गई जारी

आवश्यक या खराब होने वाली वस्तुओं को ले जाने वाले वाहनों और सरकारी अधिकृत वाहनों को इन प्रतिबंधों से छूट दी गई है। यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी जाती है। सहायता के लिए, ट्रैफिक हेल्पलाइन नंबर 9971009001, व्हाट्सएप नंबर 7065100100 पर संपर्क करें, या @noidatraffic पर ट्वीट करें।

नवजात के शव को नोच रहे थे कुत्ते, सड़क किनारे पड़ा मिला, अनचाहे गर्भ के बाद मासूम को फेंके जाने की आशंका

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के गगहा थाना क्षेत्र के हाटा बाजार में सर्विस लेन किनारे नाले पर शुक्रवार तड़के सुबह एक नवजात का शव मिला, जिसे कुत्ते नोच रहे थे। नजर पड़ने पर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। नवजात को किसने फेंका, इसकी जांच पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से शुरू कर दी है। घटना के बाद तरह-तरह की चर्चा है।

जानकारी के मुताबकि, शुक्रवार सुबह हाटा बाजार में गोरखपुर वाराणसी हाइवे की सर्विस लेन के बगल में बने नाले पर नवजात के शव को कुत्तों का झुंड नोच रहा था। आसपास टहल रहे लोगों की नजर पड़ी। जानकारी होते ही आसपास के लोग भी एकत्र हो गए।

पुलिस को इसकी जानकारी देते हुए लोगों ने कुत्तों को भगाया। फिलहाल पुलिस ने शव को मोर्चरी में

रखवा दिया है। पुलिस को हाटा बाजार निवासी ताहिर अंसारी ने तहरीर देकर बताया कि सुबह 6 बजे उनके घर के सामने अज्ञात नवजात के शव को कुत्ते नोच रहे थे।

एसओ सुशील कुमार चौरसिया का कहना है की प्रथम दृष्टया बच्चे को जन्म देने के बाद शव को फेंका गया, ऐसा प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। एसपी देहात जितेंद्र तोमर ने बताया कि मौत की वजह जानने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस सीसीटीवी कैमरों और दूसरे स्रोतों से यह जानकारी करने की कोशिश कर रही है कि शव को किसने लाकर फेंका है। आरोपियों पर कार्रवाई की जाएगी।

जिम्मेदारों के शह पर गरज रही जे सी बी, अवध खनन जोरों पर

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। हलियापुर थाना क्षेत्र में अवैध खनन जोरों पर है। जहां एक तरफ प्रदेश सरकार खनन माफियाओं पर प्रतिबंध लगाने का दावा करती है वहीं क्षेत्र में आये दिन कहीं न कहीं अवैधखनन होता ही रहता है। स्थानीय प्रशासन सब देख कर भी अंजान बना रहता है। शुक्रवार को हलियापुर थाना क्षेत्र के जरई कला गांव में दिनभर अवैध खनन होता रहा। जेसीबी चलती रही और

जिम्मेदार केवल मूकदर्शक बने तमाशा देखते ही नजर आए।

वहीं कुछ स्थानीय लोगों से जानकारी करने पर पता चला कि हलियापुर क्षेत्र के स्थानीय व पड़ोसी जनपद अयोध्या से खनन माफियाओं द्वारा कमीशन तय कर जेसीबी मशीन बुलाकर आये दिन खनन कराया जाता है। जिससे आये दिन मिट्टी लेकर सड़कों पर ट्रेक्टर व डंपर तेज गति से फर्राटे भरते रहते हैं जिससे हादसा होने

की संभावना भी बनी रहती है।और तो और क्षेत्र में मिट्टी का अवैध खनन कहीं तालाब तो कहीं चारागाहों सहित अधिकांश खनन सुरक्षित जमीनो में ही किया जाता है जिसमें कहीं न कहीं राजस्व विभाग की भी संलिप्तता नजर आती है। वहीं सूत्रों के अनुसार अधिकांश जेसीबी मशीने व डंपर ट्रेक्टर क्षेत्र के रसूखदारों के प्रभाव व साँठगांठ के चलते स्थानीय प्रशासन भी कार्यवाही नही करता है।वहीं कुछ जेसीबी चालकों ने नाम न छापने की शर्त पर का 5 से 6 हजार देना पड़ता है। इस संबंध में जानकारी करने पर तहसीलदार देवानंद तिवारी ने बताया कि जानकारी में नहीं है अगर ऐसा है तो जांचकर कार्यवाही की जाएगी।

नेपाल के रास्ते 300 करोड़ का लेनदेन... फॉरेन करेंसी को कैसे इंडियन में बदलता? छांगुर बाबा के 'काले साम्राज्य' में छिपे हैं कई राज

आर्यावर्त संवाददाता

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में एक सनसनीखेज खुलासे ने सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासन को हिलाकर रख दिया है। साइकिल पर ताबीज और अंगूठियां बेचने वाला जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा, जो खुद को सूफी संत हजरत बाबा जलालुद्दीन के रूप में प्रचारित करता था, अवैध धर्म परिवर्तन और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के एक विशाल नेटवर्क का मास्टरमाइंड निकला। यूपी एटीएस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में छांगुर और उसकी करीबी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन को गिरफ्तार किया गया है।

जांच में सामने आया है कि इस रैकेट ने पिछले तीन वर्षों में करीब 500 करोड़ रुपये की विदेशी फंडिंग हासिल की, जिसमें से 300 करोड़ रुपये का लेनदेन नेपाल के बैंक खातों के जरिए हुआ। सुरक्षा एजेंसियों ने खुलासा किया है कि छांगुर का नेटवर्क नेपाल के सीमावर्ती जिलों-नवलपरासी, रुपनदेही और बांके—में 100 से अधिक बैंक खातों के जरिए संचालित हो रहा था। इन खातों में पाकिस्तान, दुबई, सऊदी अरब और तुर्की से मोटी रकम ट्रांसफर की जाती थी। एजेंट 4-5% कमीशन पर नेपाल से नकदी निकालकर कैश डिपॉजिट मशीन (सीडीएम) के जरिए या अन्य तरीकों से छांगुर तक पहुंचाते थे।

नेपाल से भारतीय मुद्रा में बदलने के लिए बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, लखीमपुर खीरी और महराजगंज के मनी एक्सचेंजर्स का सहारा लिया जाता था। आशंका जताई जा रही है कि हुंडी के जरिए भी भारी मात्रा में फंडिंग हुई, हालांकि इसका रिकॉर्ड जांच एजेंसियों को अभी तक नहीं मिल सका है। एटीएस की जांच में बिहार के मधुबनी, सीतामढ़ी, पूर्णिया, किशनगंज और चंपारण जैसे जिलों के एजेंट्स की भूमिका भी सामने आई है, जो नेपाल से रकम भारत लाने में मदद करते थे। रायबरेली में पकड़े गए साइबर अपराधियों के तार भी इसी नेटवर्क से

जुड़े हैं, जिन्होंने 700 करोड़ रुपये का लेनदेन किया और अयोध्या, लखनऊ, बलरामपुर और गोंडा में भारी रकम भेजी।

जाति के हिसाब से तय था रेट

छांगुर का गिरोह सुनियोजित तरीके से हिंदू युवतियों और नाबालिगों को निशाना बनाता था। जांच में सनसनीखेज खुलासा हुआ कि धर्म परिवर्तन के लिए जाति के आधार पर रेट तय किए गए थे।

ब्राह्मण, क्षत्रिय, सरदार लड़कियों के लिए 15-16 लाख रुपये

पिछड़ी जातियों के लिए 10-12 लाख रुपये

अन्य जातियों के लिए 8-10 लाख रुपये

लखनऊ की गुंजा गुप्ता का मामला इसका जीता-जागता उदाहरण है। उसे अबू अंसारी ने 'अमित' बनकर प्रेम जाल में फंसाया और छांगुर की दरगाह में ले जाकर उसका धर्म परिवर्तन करवाया। इसके बाद उसका नाम अलीना अंसारी रखा गया। इसी तरह, मुंबई के नवीन घनश्याम रोहरा, उनकी पत्नी नीतू और बेटी समाले का ब्रेनवॉश कर उनके नाम जमालुद्दीन, नसरीन और सबीहा रखे गए।

15 साल का काला कारनामा

एटीएस की पूछताछ में छांगुर ने कबूल किया कि वह पिछले 15 सालों से अवैध धर्म परिवर्तन के धंधे में लिप्त था। वह 'शिजर-ए-तैय्यबा' नामक किताब के जरिए इस्लाम का प्रचार करता था और नेपाल सीमा पर इस्लामिक दावा सेंटर और मदरसा खोलने की योजना बना रहा था। एटीएस सूत्रों के अनुसार, छांगुर ने अपने रिश्तेदारों और चेलों के साथ मिलकर 3,000-4,000 हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराया।

एटीएस की जांच में सामने आया है कि नवीन रोहरा के छह खातों में 34.22 करोड़ रुपये और नीतू उर्फ नसरीन के आठ खातों में 13.90 करोड़ रुपये जमा हुए। छांगुर और उसके सहयोगियों के शारजाह, दुबई और सऊदी अरब में खोले गए खातों का ब्योरा अभी तक नहीं मिल सका है। एक सहयोगी का स्विस बैंक खाता भी जांच के दायरे में है। इन पैसों से बलरामपुर में आलीशान कोठी, लक्जरी गाड़ियां, शोरूम और महाराष्ट्र के लोनावाला में 16.49 करोड़ की जमीन खरीदी गई। बुलडोजर एक्शन और ईडी की जांच छांगुर की बलरामपुर स्थित अवैध कोठी पर प्रशासन ने बुलडोजर चलाया, जो सरकारी जमीन पर बनी थी। इस कोठी में छह जर्मन शेफर्ड कुत्ते और एक घोड़ा भी मिला। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग केस दर्ज कर छांगुर और उसके सहयोगियों के 40 बैंक खातों की जांच शुरू की है। ईडी ने आयकर विभाग से पिछले 10 साल के आयकर रिटर्न का ब्योरा मांगा है। एनआईए भी टेरर फंडिंग के एंगल से पूछताछ कर रही है। एटीएस और पुलिस इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द से जुड़ा गंभीर मामला मान रही हैं। जांच में संकेत मिले हैं कि छांगुर का मकसद सिर्फ धर्म परिवर्तन नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के जिलों की जनसांख्यिकी बदलकर एक इस्लामिक राष्ट्र की नींव रखना था। अयोध्या, गोरखपुर और आजमगढ़ में सबसे ज्यादा फंड खर्च किया गया। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के अध्यक्ष गोपाल राय ने दावा किया कि उनकी शिकायतों के बाद यह कार्रवाई हुई और कई लोग 'घर वापसी' कर चुके हैं।

फिरोजाबाद में डायरिया के प्रति जन जागरूकता के लिए प्रचार वाहन रवाना

» **मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने दिखाई हरी झंडी**

» **डायरिया रोको अभियान में पीएसआई इंडिया व केनव्यू कर रहे सहयोग**

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। डायरिया के प्रति जन जागरूकता के लिए शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम बदन राम, नोडल अधिकारी परिवार नियोजन कार्यक्रम डॉ. फारुक अहमद ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से तीन प्रचार वाहनों को रवाना किया। इस मौके पर जिला कार्यक्रम प्रबन्धक मोहम्मद आलम भी उपस्थित रहे। यह प्रचार वाहन नगर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर

समुदाय को शून्य से पांच साल तक के बच्चों में डायरिया के लक्षण, कारण और बचाव आदि के बारे में प्रचार-प्रसार करेंगे।

इस मौके पर डॉ. राम बदन राम ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के लिए जनजागरूकता बहुत जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए डायरिया के प्रति जागरूकता सम्बन्धी संदेशों वाले पोस्टर-बैनर से सुसज्जित यह प्रचार वाहन समस्त नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं ग्रामीण ब्लॉक के मदनपुर , टूंडला नरखी के क्षेत्रों से होकर गुजरेंगे। डॉ. राम बदन राम ने कहा कि जिले में 16 जून से 31 जुलाई तक डायरिया रोको अभियान चलाया जा रहा है। डायरिया रोको अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू भी सहयोग कर रहे हैं। अभियान की इस साल की थीम- "डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान" तय की गयी है। अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि बारिश और उमस के दौरान डायरिया के मामले बढ़ जाते हैं। डायरिया का सही इलाज ओआरएस का घोल और जिंक के टेबलेट हैं, जिन्हें उम्र के अनुसार निश्चित अवधि तक लेना बहुत जरूरी होता है। डायरिया रोको अभियान के प्रभावी संचालन एवं अधिक से अधिक जनसामान्य तक स्वास्थ्य सन्देश पहुंचाने के लिए प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर ओआरएस व जिंक कार्नर बनाये जा रहे हैं। इस मौके पर जिला कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर रवि कुमार, प्रदीप कुमार और पीएसआई इंडिया से राजेश कुमार प्रजापति, काइफूल हुसैन भी उपस्थित रहे।

जन औषधि केंद्र पर बेची जा रही बाहर की दवा

सुलतानपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनपतगंज परिसर में संचालित प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र पर नियमों की अनदेखी करते हुए बाहरी दवाइयाँ बेचे जाने का मामला सामने आया है। इससे न केवल मरीजों की सेहत से खिलवाड़ हो रहा है, बल्कि उन्हें आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, 11 जुलाई 2025 को मायंग के निवासी मोहम्मद सहनाज पुत्र मोहम्मद मकसूद को डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाओं से इतर बाजार की महंगी दवाएं जन औषधि केंद्र से थमा दी गईं। आरोप है कि मरीज को जो दवाएं दी गईं, वे प्रधानमंत्री जन औषधि योजना के तहत मान्य सूची में नहीं हैं। पूरे प्रकरण का वीडियो भी उपलब्ध है स्थानीय लोगों ने इस पूरे मामले में जांच कर संबंधित अधिकारियों से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जन औषधि केंद्र का उद्देश्य आमजन को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराना है, लेकिन यदि यहां भी बाजार की दवाएं बेची जा रही हैं, तो इस योजना का विश्वास आम लोगों से उठ जाएगा।

परिवार नियोजन कार्यक्रम में हुए नवाचारों के बारे में दी जानकारी

पीएसआई इंडिया ने नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाहिदपुर में किए हैं हाई इम्पैक्ट इन्टरवेंशन

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। परिवार नियोजन कार्यक्रम को और सुचारू व बेहतर बनाने के लिए पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) द्वारा शुरू किये गए नवाचारों (हाई इम्पैक्ट इन्टरवेंशन) के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान करने के लिए शुक्रवार को एक दिवसीय परिचयात्मक निरीक्षण कराया गया। नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाहिदपुर व पुलिस लाइन को पीएसआई इंडिया द्वारा प्ले ग्राउंड नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (यूपीएचसी) घोषित किया गया है। इससे सम्बन्धित आयुष्मान आरोग्य मंदिर काजीपुर, एल ब्लाक-शास्त्री नगर, गांधी नगर व हनुमान पुरी के

चिकित्सा अधिकारी, स्टाफ नर्स, एएनएम व सपोर्ट स्टाफ को परिवार नियोजन कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाये जाने के लिए केंद्र का एक दिवसीय परिचयात्मक दौरा कराया गया। इस दौरान परिवार नियोजन कार्यक्रम के अन्तर्गत हाई इम्पैक्ट इन्टरवेंशन जैसे- मैपिंग और लिस्टिंग, शहरी आशा को सक्षम बनाना, अंतराल दिवस, क्वालिटी एश्योरेंस, डाटा का आकलन एवं सेवाओं का समन्वय इत्यादि पर चर्चा की गई। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी जाहिदपुर डा. सुनीता चौहान, डा. अंकुर त्यागी प्रभारी चिकित्सा अधिकारी पुलिस लाइन व स्टाफ नर्स ने परिवार नियोजन कार्यक्रम सम्बन्धी सभी रिकॉर्ड रजिस्टर के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही बास्केट ऑफ़ च्वाइस के माध्यम से क्लाइंट मोबिलाइजेशन, आशा डायरी से ड्यू लिस्ट बनाने के बारे में जानकारी साझा की। आयुष्मान आरोग्य मंदिर केंद्र पर एक डैशबोर्ड बनाकर प्रतिमाह का डाटा उसमें अंकित करने पर चर्चा हुई ताकि माहवार आंकडों का आकलन कर उपलब्धि में सुधार किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान नोडल अधिकारी डॉ. सुधीर चौधरी, अर्बन हेल्थ को आर्डिनेटर राजीव त्यागी, डॉ. अंकुर त्यागी, डॉ. सुनीता चौहान, पीएसआई इंडिया की मैनेजर प्रोग्राम कोमल घई व फील्ड को आर्डिनेटर तरूण सौडियाल व नगरीय प्राथमिक स्वास्थ केंद्र के स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

नवागत खंड शिक्षा अधिकारी कादीपुर ने कार्यभार किया ग्रहण

बल्दीराय/सुल्तानपुर। दो दिवस पूर्व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र गुप्ता द्वारा अनेकों विकास खण्ड के कई खंड शिक्षा अधिकारियों का स्थानांतरण कर दिया गया था। प्रतापपुर कमैंचा के खंड शिक्षा अधिकारी उदय राज मौर्य का स्थानांतरण कादीपुर किया गया था। नवीन तैनाती स्थल पर शुक्रवार को खंड शिक्षा अधिकारी ने अपना कार्य भार ग्रहण किया। बी आर सी कादीपुर पहुंचने पर उनका फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया।श्री मौर्य अपने विकास खण्ड में निपुण भारत अभियान को सफल बनाने, मिशन कायाकल्प और शिक्षकों के बीच अच्छे सामंजस्य के लिए जाने जाते हैं। शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण में वे अग्रणी भूमिका में नजर आते हैं।बातचीत में कई शिक्षकों ने बी ई ओ की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के उन्नयन के लिए श्री मौर्य का हमेशा सहयोग मिलता रहा है।

एवियांश ग्रुप का एमडी हुआ गिरफ्तार, करोड़ों की हेराफेरी में रहा वांछित

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। गुरुवार को कूरेभार व लखनऊ पुलिस टीम की संयुक्त कार्यवाही में किसान मोर्चा का कार्यालय प्रभारी और एवियाश ग्रुप का कथित मैनेजिंग डायरेक्टर पुलिस के हत्थे चढ़ गया।जिसकी पुलिस को काफी दिनों से तलाश रही।दोनों भाइयों परब करोड़ों की हेरा फेरी का आरोप है।इसका बड़ा भाई पहले भी जेल चुका है। कूरेभार थाना क्षेत्र के एक गांव के सामान्य घर से निकलकर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंचे दो भाइयों ने मिलकर लखनऊ में फर्जी संस्था ,कार्यालय बनाकर आमजनों को जमीन बेचने के नाम पर लोगो से करोड़ों रुपए का वारा न्यारा कर दिया।पीड़ित की शिकायत पर पुलिसिया जांच में इनकी काली कमाई और करतूतों की परत दर परत पोल खुल गई। जानकारी के अनुसार कूरेभार के पटना निवासी संजय वर्मा और इसके भाई संदीप वर्मा ने मिलकर खुद को एवियंश ग्रुप का मैनेजिंग डायरेक्टर बताकर लोगों से जमीन बेचने के नाम पर करोड़ों रूपये ठगी को अंजाम दिया ।पुलिस ने मुख्य आरोपी संजय वर्मा को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।और इसके छोटे भाई की तलाश में जुटी थी। गुरुवार को कूरेभार थाने और लखनऊ पुलिस की संयुक्त टीम ने किसान मोर्चा के कथित कार्यालय प्रभारी संदीप पटेल को थाना क्षेत्र के पटना से गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार को गिरफ्तार किसान मोर्चा के कार्यालय प्रभारी संदीप पटेल और इसके मास्टर माइंड भाई संजय वर्मा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अधिकारियों के साथ खुद की फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर लगाकर लोगों से जमीन बेचने के नाम पर करोड़ों रुपए ठगी का कारोबार कर रहे थे। जिसके चलते कुछ सालों में वह करोड़पति बन गए। काफी दिनों तक यह अपनी करतूत से न्यायपालिका और पुलिस अधिकारियों को भी झांसे में लिए रहे।

सीएम योगी ने सुनी फरियाद, बोले- हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है सरकार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान उन्होंने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और कहा कि परेशान मत हों, आपकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबंधित मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में एक महिला इलाज के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाई तो उन्होंने कहा कि इलाज का इस्टीमेट मंगा लीजिए, सरकार भरपूर मदद करेगी।

मुख्यमंत्री शुक्रवार सुबह जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में एक महिला समेत कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

सीएम डैशबोर्ड रिपोर्ट में फिर पहले स्थान पर जालौन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सीएम डैशबोर्ड की जून की रिपोर्ट में जालौन ने प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। वहीं शीर्ष पांच जिलों में शाहजहांपुर, अंबेडकरनगर, महाराजगंज और श्रावस्ती को स्थान मिला है। जालौन लगातार छह महीने से मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर पहले स्थान पर बना हुआ है।

सीएम डैशबोर्ड से जनसुनवाई, कानून व्यवस्था, जन कल्याणकारी योजनाओं और राजस्व कार्यों की निगरानी की जाती है, जिससे जिलों को बेहतर प्रशासनिक मानक स्थापित करने में मदद मिलती है। हर महीने जिलों के राजस्व कार्यों, विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था पर रिपोर्ट जारी की जाती है। डैशबोर्ड द्वारा सभी जिलों में 49 विभागों के 109 कार्यक्रमों की विभिन्न मानकों पर समीक्षा की जाती है। इसके बाद जिलों की रैंकिंग जारी की जाती है। सीएम डैशबोर्ड की जून की रिपोर्ट के अनुसार एक बार फिर जालौन ने प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। यह रिपोर्ट उन जिलों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करती है, जिन्होंने प्रशासनिक दक्षता, विकास कार्यों, और राजस्व प्रबंधन में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। शीर्ष पांच जिलों ने प्रशासनिक कसौटियों पर खुद को साबित किया है।

मुस्कान मिश्रा सपा महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव मनोनीत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ की युवा सपा नेत्री मुस्कान मिश्रा को समाजवादी पार्टी महिला सभा का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया गया है। समाजवादी पार्टी को मजबूती देने एवं समाजवादी नीतियों के प्रचार-प्रसार के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह ने मुस्कान मिश्रा को यह जिम्मेदारी दी है। इसके लिए उन्होंने हाईकमान का आभार जताया है।पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने मुस्कान मिश्रा को राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मुस्कान मिश्रा ने कहा कि समाजवादी पार्टी में ही महिलाओं का सम्मान सुरक्षित है। समाजवादी पार्टी जनता की भलाई के लिए निरंतर संघर्षरत रही है। उन्होंने कहा कि वे पूरी निष्ठा के साथ महिला संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का कार्य करेंगी। देश व प्रदेश में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के सिद्धांतों नीतियों विचारों एवं उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करती रहूंगी।

प्रधानमंत्री की उम्र पर मोहन भागवत के बयान को लेकर प्रमोद तिवारी का हमला, पूछा– क्या 75 की उम्र में मोदी देंगे इस्तीफा?

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राज्यसभा में उप नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद प्रमोद तिवारी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयान को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भागवत जी ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि ₹जब आप 75 साल के हो जाते हैं, तो इसका मतलब है कि आपको रुक जाना चाहिए और दूसरों के लिए रास्ता बनाना चाहिए।₹ अब देश यह जानना चाहता है कि सितंबर 2025 में 75 वर्ष के हो रहे प्रधानमंत्री क्या इस संदेश को आत्मसात करते हुए पद छोड़ेंगे?प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह बयान भले ही संघ और भाजपा का आंतरिक मामला हो, लेकिन इसका प्रभाव पूरे देश पर पड़ता है। उन्होंने तीखे सवाल उठाते हुए पूछा, 'क्या नरेंद्र मोदी जी, जो स्वयं को संघ का आजीवन कार्यकर्ता बताते हैं, मोहन भागवत जी के इस संदेश का पालन करेंगे और पार्टी में किसी युवा को मौका देने के लिए प्रधानमंत्री पद से हटेंगे?' उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, सुमित्रा महाजन और कलराज मिश्र जैसे भाजपा के दिग्गजों को इसी उम्र सीमा के आधार पर सक्रिय राजनीति से अलग कर दिया गया था, 'तो क्या अब खुद नरेंद्र मोदी उसी परंपरा का पालन करेंगे?₹तिवारी ने भाजपा की नैतिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर पार्टी में नैतिकता होती, तो प्रधानमंत्री ट्रंप के उस दावे का सार्वजनिक खंडन करते जिसमें उन्होंने 21 बार कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराया। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री साहस नहीं जुटा पाए कि अमेरिकी राष्ट्रपति को गलत ठहरा सकें। अब वाणिज्य मंत्रालय का एक प्रतिनिधिमंडल अमेरिका भेजा जा रहा है, लेकिन देश को जवाब नहीं मिल रहा।' उन्होंने भाजपा संगठन में हो रही देरी पर भी तंज कसते हुए कहा कि शायद यही कारण है कि अब तक भाजपा का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त नहीं हो पाया है। इसके साथ ही प्रमोद तिवारी ने 'वोटबंदी' को लेकर भी भाजपा और जेडीयू पर करारा हमला बोला। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा बिहार की मतदाता सूची में आधार, राशन कार्ड और वोटर आईडी जैसे दस्तावेजों की अनिवार्यता पर की गई टिप्पणी को लोकतंत्र की बड़ी जीत बताया और कहा कि यह भाजपा-जेडीयू की 'लोकतंत्र विरोधी कोशिशों पर झन्नाटेदार तमाचा₹ है।

अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर हमला: "उत्तर प्रदेश में अपराधियों का राज, जनता आतंक में जी रही है"

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार का दावा था कि अपराधी या तो अपराध छोड़ देंगे या प्रदेश छोड़ देंगे, लेकिन हकीकत यह है कि सिर्फ अपराधी ही बेखौफ हैं और वही सुरक्षित हैं, जिन पर अभी अपराधियों की नजर नहीं पड़ी है।अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में जंगलराज फैल चुका है, हत्या, लूट, डकैती और बलात्कार रोज़ की घटनाएं बन गई हैं। पुलिस निरंकुश हो चुकी है, जबकि मुख्यमंत्री अपने भाषणों से आत्ममुग्ध हैं और शासन-प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है।उन्होंने राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में हालिया आपराधिक घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता हो जब कोई जघन्य वारदात न होती हो।

जनहित सर्वोपरि, लापरवाही बर्दाश्त नहीं : ऊर्जा मंत्री

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

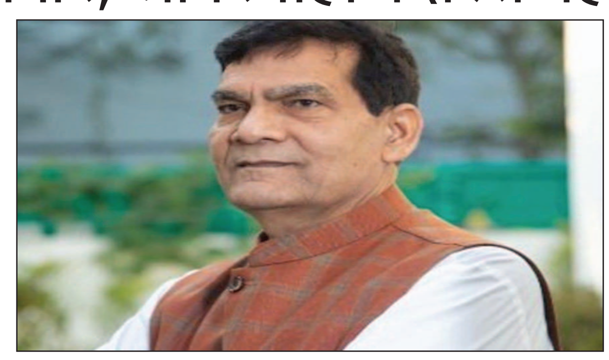

लखनऊ। । जिले के सूरापुर स्थित बिजठुआ हनुमान धाम के समीप 9 जुलाई को उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एक निजी प्रवास पर थे। इस दौरान कुछ स्थानीय नागरिकों ने उन्हें रास्ते में रोका और न केवल उनका सम्मान किया, बल्कि क्षेत्र की बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याएं भी सामने रखीं। मंत्री ने बेहद सौम्य और धैर्यपूर्वक जनता की बातें सुनीं और आवश्यक कार्रवाई का भरोसा भी दिलाया।इस घटना के बाद बिजली आपूर्ति की स्थिति को लेकर उठे सवालों पर मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने सोशल मीडिया के माध्यम से स्थिति स्पष्ट की। निगम के अनुसार, जनपद सुल्तानपुर में ग्रामीण क्षेत्रों में न्यूनतम 16 से 18 घंटे और शहरी क्षेत्रों में 22 से 24 घंटे तक विद्युत आपूर्ति की जा रही है। जिले के कुल 158 फीडरों में से केवल एक—कादीपुर फीडर—पर ही उस दिन 15 घंटे से कम बिजली आपूर्ति हुई थी।इस लापरवाही पर ऊर्जा मंत्री के आदेशानुसार जांच के बाद कादीपुर उपखंड के तकनीशियन उमांकर यादव को निलंबित कर दिया गया। विभाग ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित यह सूचना कि जिले के कई इलाकों में मात्र 3-4 घंटे की बिजली आपूर्ति हो रही है, भ्रामक है। सभी क्षेत्रों में रोस्टर के अनुसार बिजली दी जा रही है।ऊर्जा मंत्री ने जानकारी दी कि कादीपुर फीडर पर सुधार कार्य के निर्देश दिए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि कम वर्षा के चलते कृषि में बिजली की मांग बढ़ी है, जिसे देखते हुए अब उपकेंद्रों पर 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, ताकि किसान और आम उपभोक्ता दोनों को लाभ मिल सके।मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पिछले तीन वर्षों से बिजली आपूर्ति का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना है। 2012 से 2017 के शासन काल की तुलना में आज ढाई गुनी अधिक पीक बिजली आपूर्ति हो रही है। कांग्रेस शासन के दौर से तुलना की जाए तो आज कई गुना अधिक बिजली दी जा रही है। वर्तमान में देश के किसी भी राज्य की तुलना में सबसे ज्यादा बिजली उत्तर प्रदेश में वितरित हो रही है।उन्होंने यह भी बताया कि सुल्तानपुर में भी अन्य जिलों की तरह कम बारिश के चलते कृषि और घरेलू खपत बढ़ी है, पर सरकार उसे पूरा करने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयासरत है। मंत्री ने कहा कि धार्मिक स्थल बिजठुआ हनुमान धाम के पास जो लोग मिले, उन्होंने श्रद्धा से जयकारे लगाए और प्रसाद अर्पित किया, जिसका हमने भी श्रद्धापूर्वक उत्तर दिया।मंत्री ने राजनीतिक आलोचना करने वालों को वीडियो देखने और अपने शासन काल की बिजली आपूर्ति की हकीकत से तुलना करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा, "पहले कभी बिजली आ जाती थी तो खबर बनती थी, अब कभी कमी हो जाए तो चर्चा होती है, जिसे हम तुरंत ठीक करते हैं।"ऊर्जा मंत्री एक बार फिर दोहराया कि जनहित सर्वोपरि है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि बिजली व्यवस्था में कोई भी लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए।

पति की हत्या के फरार आरोपी को दिल्ली से दबोचा, पत्नी और प्रेमी पहले ही भेजे जा चुके हैं जेल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के बंथरा थाना क्षेत्र में मई महीने में हुए एक सनसनीखेज हत्या कांड में लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य आरोपी को लखनऊ पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का नाम संजय कश्यप है, जो मृतक की पत्नी मंजू देवी और उसके प्रेमी आकाश वर्मा के साथ मिलकर सिद्धी प्रसाद नामक व्यक्ति की हत्या में शामिल था।यह वारदात 24-25 मई 2025 की रात को ग्राम दरियापुर मजरा गढ़ीचुनौटी थाना बंथरा में अंजाम दी गई थी। मृतक सिद्धी प्रसाद की पत्नी मंजू देवी और उसके प्रेमी आकाश वर्मा ने संजय कश्यप के साथ मिलकर एक योजनाबद्ध तरीके से हत्या की साजिश रची। घटना की रात जब घर के अन्य सदस्य एक शादी समारोह में गए हुए थे, उसी दौरान तीनों ने मिलकर सिद्धी प्रसाद की गला घोंटकर हत्या कर दी। रस्सी से गला कसने के बाद लोहे की पाइप से उसके सिर पर वार किया गया, ताकि उसकी मृत्यु सुनिश्चित हो सके।हत्या के बाद शव को घर के पीछे स्थित एक सूखे तालाब के गड्ढे में फेंक दिया गया, जबकि हत्या में प्रयुक्त रस्सी और पाइप को दरियापुर नगवा नाले के पास फेंककर साक्ष्य छुपाने की कोशिश की गई।पुलिस को शुरू में मृतक की पत्नी मंजू देवी ने अज्ञात के खिलाफ झूठी तहरीर दी थी। लेकिन जांच में जैसे-जैसे घटनाक्रम का खुलासा होता गया, शक की सुई उसकी ओर मुड़ गई। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर 4 जून 2025 को मंजू देवी और आकाश वर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसी मामले में तीसरा आरोपी संजय कश्यप घटना के बाद से फरार चल रहा था।गिरफ्तारी से बचने के लिए संजय कश्यप ने लखनऊ से फरार होकर दिल्ली के सोनिया विहार इलाके में शरण ली। उसने पुलिस को चकमा देने के लिए अपनी सिम को स्मार्टफोन से निकालकर कीपैड फोन में डाल लिया और फिर उसे बंद कर दिया।लेकिन पुलिस की लगातार तकनीकी और मैनुअल निगरानी के चलते आखिरकार उसे 10 जुलाई को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि आकाश वर्मा उसका पुराना दोस्त है और उसने ही उसे हत्या में शामिल होने के लिए ₹40,000 देने का लालच दिया था। घटना से पहले ही मंजू देवी द्वारा उसे ₹5,000 एडवांस दिए गए थे और बाकी रकम बाद में देने की बात कही गई थी।संजय कश्यप मूल रूप से जनपद गोंडा के करनैलगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सुदीया सकरौरा का रहने वाला है। गिरफ्तारी के बाद उसे 11 जुलाई को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।इस पूरी कार्यवाही को थाना बंथरा पुलिस व दक्षिणी जोन की सर्विलांस टीम की संयुक्त सफलता माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि आरोपी संजय की गिरफ्तारी के साथ ही इस जघन्य हत्याकांड से जुड़े तीनों आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है और चार्जशीट की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी।

मोहनलालगंज पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों से जमीन की रजिस्ट्री कराने वाले गवाहों को गिरफ्तार किया

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में फर्जी और कूटरचित दस्तावेजों का प्रयोग कर जमीन की रजिस्ट्री कराने के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने फर्जी रजिस्ट्री कराने में गवाह बनकर सहयोग करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इससे पहले, इस मामले के मुख्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया जा चुका है।शिकायतकर्ता रईश मोहम्मद ने आरोप लगाया था कि उसकी जमीन की रजिस्ट्री किसी अन्य व्यक्ति के नाम फर्जी दस्तावेजों के सहारे करा दी गई है। जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ता के नाम पर फर्जी आधार कार्ड बनाकर जमीन विकास सिंह नामक व्यक्ति को बेची गई। इस रजिस्ट्री में दो गवाहों रमेश कुमार और सत्यनारायण ने फर्जी गवाही दी थी। दोनों गवाह लंबे समय से फरार थे।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु लखनऊ में नारायण कृत्रिम अंग माप शिविर 13 जुलाई को

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त उदयपुर स्थित नारायण सेवा संस्थान द्वारा दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए दूसरा नारायण कृत्रिम अंग माप शिविर रविवार, 13 जुलाई को लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। यह शिविर दयाल गेटवे होटल, किसान बाजार, विभूति खंड, गोमती नगर में प्रातः 8 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगा।संस्थान के मीडिया एवं जनसंपर्क निदेशक भगवान प्रसाद गौड़ ने प्रेस वार्ता में बताया कि यह शिविर उन दिव्यांगजनों के लिए है जिन्होंने हादसे या बीमारी के चलते हाथ-पैर गंवाए हैं, या जिनके पुराने कृत्रिम अंग अब अनुपयुक्त हो गए हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ऐसे लाभार्थियों के लिए हल्के, टिकाऊ और उच्च गुणवत्ता वाले 'नारायण लिम्ब' के लिए माप लेगी। माप के आधार पर अगली कड़ी में निःशुल्क कृत्रिम अंग लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पिछली बार 600 से अधिक दिव्यांगजन इस शिविर से लाभान्वित हुए थे।इस बार का शिविर मेक ए चेंज फाउंडेशन यूके, गोल्डन जुबली तथा श्री स्वामीनारायण मंदिर विल्सडन यूके के सहयोग से आयोजित हो रहा है। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लड्ढा ने बताया कि शिविर में आने वाले सभी लाभार्थियों और उनके परिजनों के लिए निःशुल्क भोजन, चाय और अल्पाहार की व्यवस्था की गई है।इस अवसर पर रमेश शर्मा, बद्रीलाल शर्मा समेत कई पदाधिकारियों की उपस्थिति में शिविर का पोस्टर भी जारी किया गया। निदेशक भगवान गौड़ ने लखनऊ और आसपास के दिव्यांगजनों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। लाभ उठाने के लिए आधार कार्ड, दिव्यांग प्रमाण पत्र और दो पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य है।शिविर से संबंधित जानकारी के लिए 70235-09999 पर संपर्क किया जा सकता है।

डीसीपी यातायात ने किया अहिमामऊ चौराहे का निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में स्थित अहिमामऊ चौराहे का डीसीपी ट्रैफिक ने निरीक्षण किया और चौराहे पर जाम न लगने पाए इसके लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

लखनऊ के व्यस्ततम चैराहों में शुमार अहिमामऊ चौराहे पर अक्सर जाम लगता रहता है।जिससे उधर से निकलने वालों को अक्सर जाम से जूझना पड़ता है जिससे वह अपने गंतव्य पर समय पर नही पहुंच पाते है।चौराहा वीआईपी मार्ग पर पड़ने के चलते जब कोई वीआईपी उधर से निकल रहा होता है उस समय यह समस्या और बढ़ जाती है।इस समस्या की जानकारी होते ही डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने शुक्रवार को अहिमामऊ चौराहे का निरीक्षण किया और लोगों को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए वहां पर तैनात यातायात उपनिरीक्षक मनोज कुमार सहित अन्य यातायात कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि हर हाल में चौराहा खाली रहना चाहिए और चौराहे से 100 मीटर की रेंज में कोई भी वाहन खड़ा न होने दिया जाए।इसके साथ ही उन्होंने रोडवेज बसों व टैम्पो सहित अन्य वाहनों को कहां रोका जाए इसके बारे में भी बताया। इसके साथ ही यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालो के खिलाफ कार्रवाई करने की बात भी कही।

लखनऊ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: विभूतिखंड में जमीन घोटाले के आरोपी वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के पूर्वी जोन अंतर्गत थाना विभूतिखंड पुलिस ने जमीन घोटाले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोप है कि अभियुक्त ने एवियान्स डेवलपर्स एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी खोलकर जनता से जमीन देने के नाम पर लाखों रुपये ठगे। पैसा वापस मांगने पर न तो प्लाट दिया गया और न ही रकम लौटाई गई। इस मामले में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, गबन और धमकी देने के कई गंभीर आरोप लगे हैं।मामला वर्ष 2024 की 5 जुलाई का है जब डॉ. अरविंद कुमार उपाध्याय, एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय लखनऊ ने पुलिस को शिकायत की थी कि एवियान्स डेवलपर्स की ओर से उनके साथ धोखाधड़ी की गई है। कंपनी के डायरेक्टर संजय कुमार वर्मा और उनके सहयोगी लोगों ने जमीन देने के नाम पर लाखों रुपये गबन कर लिए थे।

जमीन हड़पने की नीयत से खुद को मारी गोली, साजिश रचने वाले युवक और उसके साथी को काकोरी पुलिस ने किया गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के काकोरी थाना क्षेत्र में एक ऐसी सनसनीखेज साजिश का भंडाफोड़ हुआ है, जिसमें जमीन विवाद को लेकर एक युवक ने अपने ही कंधे में गोली मारकर फर्जी मुकदमा दर्ज कराया और दो रिश्तेदारों को फंसाने की कोशिश की। पुलिस की सतर्कता और गहन जांच के चलते यह झूठी कहानी उजागर हो गई और खुद को पीड़ित बताने वाला युवक ही अपराधी साबित हुआ। पुलिस ने आकाश यादव उर्फ आर्यन सिंह यादव और उसके सहयोगी दीवान को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।यह मामला 8 जुलाई 2025 को सामने आया था, जब ग्राम मौंदा निवासी आकाश यादव ने थाना काकोरी में तहरीर दी कि उसके ऊपर दो अज्ञात बाइक सवार लोगों ने जानलेवा हमला किया और तमंचे से गोली मार दी। पुलिस ने तत्काल एफआईआर दर्ज करते हुए जांच शुरू की। लेकिन जब पुलिस की टीम घटनास्थल पहुंची तो वहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पूछताछ के दौरान आकाश यादव ने पुलिस को बाग में अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर वहां वारदात होने की बात कही, लेकिन कहीं भी खून के निशान या खोखा कारतूस नहीं मिला।इसके बाद पुलिस ने मेडिकल रिपोर्ट का अवलोकन किया तो यह स्पष्ट हो गया कि गोली बेहद नजदीक से मारी गई थी, क्योंकि आकाश के कंधे पर गनशॉट ब्लैकनिंग के स्पष्ट निशान मौजूद थे। मेडिकल दस्तावेजों में भी इसकी पुष्टि हुई। इन तथ्यों के आधार पर जब पुलिस ने आकाश यादव से सख्ती से पूछताछ की तो उसने स्वीकार कर लिया कि यह हमला उसने खुद पर ही किया था।पूछताछ में आकाश यादव ने बताया कि उसका अपने फुफेरे भाइयों राजू यादव और आशीष यादव से जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। कुछ समय पहले आशीष यादव पर उसने अपनी पत्नी से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद जब उसे जानकारी मिली कि उसकी बुआ रामावती ने उसके बाबा नारायण से जमीन अपने नाम वसीयत करवा ली है, जिसमें उसका हिस्सा भी चला गया है, तो उसने नाराज होकर साजिश रचने का फैसला किया।आकाश ने अपने बाग के साझेदार दीवान के साथ मिलकर यह योजना बनाई कि वह खुद को गोली मारकर राजू और आशीष को झूठे मुकदमे में फंसा देगा। योजना के अनुसार उसने आम की फसल खत्म होने के बाद बाग में खुद पर 315 बोर के तमंचे से गोली चलाई और फिर तमंचा व कारतूसों को बाग की दीवार की नींव में छिपा दिया। मेडिकल रिपोर्ट में मिली पुष्टि के आधार पर दीवान को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने बताया कि संपत्ति के लालच में वह भी इस योजना में शामिल हो गया था।पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और अब उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 308(7), 217, 61(2) बीएनएस के तहत गंभीर धाराएं दर्ज करते हुए साथ ही अवैध हथियार रखने और उसका प्रयोग करने के आरोप में आयुध अधिनियम की धारा 3/25/27 भी जोड़ दी है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद कर लिया है। इस सनसनीखेज साजिश का खुलासा करने वाली पुलिस टीम में काकोरी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतीश राठौर के नेतृत्व में उपनिरीक्षक सुधीर कुमार, सावंत कुशवाहा, शिवम विधूड़ी, हेड कांस्टेबल अजय यादव, अनिल उत्तम और कांस्टेबल सुरेन्द्र यादव शामिल थे।

17 देशों की संसदों में संबोधन, 27 देशों से सर्वोच्च सम्मान, विश्व मंच पर मोदी का जादू बरकरार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और वैश्विक नेतृत्व के क्षेत्र में भारत को एक नई ऊँचाई पर पहुंचा दिया है। जहां एक ओर उन्होंने अब तक 17 देशों की संसदों को संबोधित कर भारत की आवाज़ को विश्वमंच पर मुखर किया है, वहीं दूसरी ओर 27 देशों से प्राप्त सर्वोच्च नागरिक सम्मानों ने उन्हें दुनिया के सबसे सम्मानित और प्रभावशाली नेताओं में स्थान दिला दिया है। यह उपलब्धियाँ केवल व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि भारत की वैश्विक स्थिति की उन्नति का प्रतिबिंब हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का संसदों में संबोधन केवल भाषण नहीं, बल्कि रणनीतिक कूटनीति का हिस्सा है। उन्होंने विकसित और विकासशील देशों, दोनों के विधायी मंचों पर भारत की लोकतांत्रिक विरासत, आर्थिक दृष्टि और वैश्विक सहयोग की भावना को साझा किया। मोदी की ओर से अन्य देशों की संसदों में दिये गये संबोधन को याद करें तो उन्होंने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद ऑस्ट्रेलिया, फिजी, भूटान, नेपाल की संसदों को संबोधित किया। साल 2015 में प्रधानमंत्री ने ब्रिटेन, श्रीलंका, मंगोलिया, अफगानिस्तान और मॉरीशस की संसद को संबोधित किया। साल 2016 में उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। 2018 में प्रधानमंत्री ने युगांडा और 2019 में मालदीव की संसद में अपना संबोधन दिया। 2023 में प्रधानमंत्री मोदी ने दूसरी बार अमेरिकी कांग्रेस में अपना संबोधन दिया और इसके साथ ही वह उन कुछ चुनिंदा वैश्विक हस्तियों में शुमार हो गये जिन्हें दो बार अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करने का गौरव हासिल हुआ है। इसके बाद प्रधानमंत्री ने 2024 में गुयाना और 2025 में घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा नामीबिया की संसद को संबोधित किया। खास बात यह है कि 2025 में तीन देशों की संसदों में प्रधानमंत्री का संबोधन एक सप्ताह के भीतर हुआ है जोकि अपने आप में एक और कीर्तिमान है। इन सभी संबोधनों में भारत ने ग्लोबल साउथ, संयुक्त राष्ट्र सुधार, आतंकवाद विरोध, जलवायु न्याय और डिजिटल समावेशन जैसे मुद्दों पर स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री को 27 देशों से मिले सर्वोच्च सम्मान पर गौर करें तो आपको बता दें कि उन्हें यूएई का 'Order of Zayed', रूस का 'Order of St. Andrew', अमेरिका का 'Legion of Merit', फ्रांस का ₹Grand Cross of the Legion of Honour', सऊदी अरब का 'King Abdulaziz Sash', बांग्लादेश का 'Liberation War Honour' समेत अफ्रीकी और कैरिबियाई देशों से राष्ट्रीय सम्मान मिले हैं। यह दर्शाता है कि भारत की सॉफ्ट पावर, अर्थव्यवस्था, लोकतंत्र और रणनीतिक संतुलनकारी भूमिका को विश्व स्वीकार कर रहा है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति पारंपरिक 'गुटनिरपेक्षता' से आगे जाकर 'बहुध्रुवीय मित्रता' पर आधारित है। उन्होंने पश्चिमी शक्तियों से रिश्ते गहरे किए, लेकिन साथ ही अफ्रीका, मध्य एशिया, खाड़ी देशों और दक्षिण अमेरिका में नए रणनीतिक संबंध भी बनाए। मोदी की यह अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि भारत की उभरती शक्ति, विचारधारा और नेतृत्व क्षमता की स्वीकार्यता है। उनका हर संसद में दिया गया संबोधन, हर प्राप्त सम्मान, भारत की लोकतांत्रिक आत्मा, विकासशील दृष्टिकोण और नैतिक शक्ति का प्रतीक है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 17 देशों की संसदों को संबोधित करना और 27 देशों से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त करना, भारतीय विदेश नीति के इतिहास में एक अभूतपूर्व अध्याय है। यह दर्शाता है कि आज का भारत केवल सुनने वाला नहीं, बल्कि दुनिया को दिशा देने वाला देश बन चुका है। यह उपलब्धि भारतवासियों के आत्मविश्वास, आकांक्षाओं और अंतरराष्ट्रीय भूमिका को सशक्त करती है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्व दौरों की चर्चा प्रायः उनकी रणनीतिक कूटनीति, वैश्विक नेतृत्व और द्विपक्षीय समझौतों के संदर्भ में होती है, किंतु इन यात्राओं में एक और विशेष पक्ष होता है जो चुपचाप भारत की आत्मा को विश्व के सामने प्रस्तुत करता है— वह है उनके द्वारा चयनित सांस्कृतिक उपहार। हम आपको बता दें कि हर दौरे में प्रधानमंत्री मोदी जिन विशिष्ट हस्तशिल्पों, कलाकृतियों और प्रतीकों को उपहार स्वरूप ले जाते हैं, वे केवल शिष्टाचार नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध परंपरा, बहुरंगी संस्कृति और आत्मनिर्भर कलात्मकता का परिचायक होते हैं। यह सांस्कृतिक कूटनीति भारत की सॉफ्ट पावर को सशक्त करने में निर्णायक भूमिका निभा रही है।

नामीबिया में दस्तक देकर मोदी ने चीन की अफ्रीका नीति को कड़ी टक्कर दे डाली है

भारत के लिए चीन-नामीबिया संबंध क्यों चिंता का विषय हैं, यदि इस सवाल का जवाब ढूँढ़ें तो सामने आता है कि भारत को अपनी हरित ऊर्जा नीति और सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए लिथियम और कोबाल्ट जैसे खनिजों की सख्त आवश्यकता है।

नीरज कुमार दुबे

अफ्रीकी महाद्वीप में चीन की लगातार बढ़ती पैठ और संसाधनों पर उसका वर्चस्व भारत के लिए एक बड़ी चुनौती रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी की नामीबिया यात्रा कई मायनों में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हम आपको बता दें कि अफ्रीका, विशेष रूप से दक्षिणी अफ्रीका का हिस्सा, खनिज संसाधनों, ऊर्जा स्रोतों और वैश्विक व्यापार मार्गों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। चीन ने पिछले दो दशकों में अफ्रीका में बड़े पैमाने पर निवेश कर वहां की सरकारों और बाजारों पर अपनी पकड़ मजबूत की है। भारत के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वह चीन की इस रणनीति का प्रभावी उत्तर दे और अपने पुराने अफ्रीकी साझेदारों के साथ नए संबंधों को सशक्त करे।

इस संदर्भ में मोदी की यह यात्रा चीन को एक स्पष्ट संकेत है कि अफ्रीका अब केवल उसकी आर्थिक प्रयोगशाला नहीं रह सकती। भारत 'साझेदारी के माध्यम से विकास' की नीति को आगे बढ़ाते हुए अफ्रीकी देशों को भरोसा दिला रहा है कि वह शोषण नहीं, सहयोग का प्रस्ताव लेकर आया है। भारत की "वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना और विकासोन्मुख दृष्टिकोण चीन की एकपक्षीय रणनीति से अलग है।

यदि आप नामीबिया में चीन के प्रभाव पर नजर डालेंगे तो चौंक जाएंगे। हम आपको बता दें कि खनिज संसाधनों से भरपूर और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अफ्रीकी देश नामीबिया चीन की 'नरम साम्राज्यवाद' नीति का एक प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। साथ ही चीन-नामीबिया संबंधों की गहराई भारत के लिए नई भू-राजनीतिक चुनौतियाँ खड़ी कर रही है। हम आपको बता दें कि चीन ने नामीबिया में आधारभूत ढाँचे जैसे सड़क, रेलवे, सरकारी भवनों, बंदरगाहों और अस्पतालों में भारी निवेश किया है। इसके तहत Belt and Road Initiative (BRI) के अंतर्गत नामीबिया चीन से बड़े पैमाने पर ऋण ले चुका है। साथ ही नामीबिया की राजधानी विंडहुक में बना चीनी दूतावास अफ्रीका के सबसे बड़े दूतावासों में से एक है— जो चीन के रणनीतिक इरादों का संकेत देता है।

इसके अलावा, नामीबिया यूरेनियम, लिथियम, कोबाल्ट और अन्य दुर्लभ खनिजों का धनी देश है। चीन ने यहां कई खनन कंपनियों में प्रत्यक्ष या परोक्ष हिस्सेदारी हासिल कर ली है। उदाहरण के लिए, Rossing Uranium Mine और Husab Mine में चीन की प्रमुख उपस्थिति है। साथ ही चीन ने नामीबिया की सैन्य बुनियादी संरचना को समर्थन देने के साथ-साथ राजनीतिक तंत्र पर भी प्रभाव जमाया है। नामीबिया की सेना को चीनी हथियारों और प्रशिक्षण से लैस किया जा रहा है।

भारत के लिए चीन-नामीबिया संबंध क्यों चिंता का विषय हैं, यदि इस सवाल का जवाब ढूँढ़ें तो सामने आता है कि भारत को अपनी हरित ऊर्जा नीति और सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए लिथियम और कोबाल्ट जैसे खनिजों की सख्त आवश्यकता है। यदि नामीबिया पर चीन का नियंत्रण और बढ़ता है, तो भारत को इन संसाधनों की आपूर्ति में बाधा आ सकती है। यह भारत की ऊर्जा और तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए खतरा है।

इसके अलावा, भारत लंबे समय से अफ्रीका के साथ ऐतिहासिक और भावनात्मक संबंध रखता आया है। चीन की आक्रामक कूटनीति और आर्थिक लालच के चलते यदि नामीबिया जैसे देशों पर उसका प्रभाव बढ़ता है, तो भारत की 'साझेदारी आधारित' अफ्रीका नीति को झटका लग सकता है। साथ ही नामीबिया जैसे देश यदि चीन के प्रभाव में अधिक आते हैं, तो ब्रिक्स, G77, NAM और अन्य दक्षिणी सहयोग मंचों पर भारत की आवाज़ को चुनौती मिल सकती है। गौरतलब है कि चीन इन मंचों का उपयोग भारत को रणनीतिक रूप से संतुलित करने के लिए करता है।

इसके अलावा, नामीबिया के वॉल्विस बे बंदरगाह पर चीनी निवेश के संकेत मिले हैं। यदि यह बंदरगाह चीन की नौसैनिक रणनीति का हिस्सा बनता है, तो यह भारत की हिंद महासागर रणनीति के लिए चिंता का विषय बन सकता है। देखा जाये तो चीन-नामीबिया संबंधों में बढ़ती गहराई भारत के लिए एक स्पष्ट संकेत है कि अफ्रीका में उसकी उपस्थिति को और प्रभावशाली बनाने की आवश्यकता है। भारत को केवल आर्थिक सहायता या व्यापारिक प्रस्तावों तक सीमित न रहकर, अफ्रीकी देशों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी, सांस्कृतिक संबंध, शिक्षा, स्वास्थ्य, और रक्षा सहयोग के क्षेत्रों में भी निवेश करना होगा। यदि भारत को ग्लोबल साउथ में नेतृत्व बनाए रखना है, तो उसे अफ्रीका में चीन के हर कदम का संतुलित उत्तर देना होगा।

माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नामीबिया यात्रा भारत-अफ्रीका संबंधों के भविष्य की नींव को और मजबूत करने वाली साबित होगी। उल्लेखनीय है कि भारत और नामीबिया के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध भी हैं, विशेष रूप से गांधीवादी विचारधारा, स्वतंत्रता संघर्ष और शांति-संवाद पर आधारित साझा विरासत।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि चीता परियोजना से दोनों देशों के बीच नई कूटनीति शुरू हुई थी। 2022 में भारत ने नामीबिया से अफ्रीकी चीता लाकर मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में पुनर्वासित किया था। यह केवल वन्यजीव संरक्षण की पहल नहीं, बल्कि ₹ईको डिप्लोमेसी₹ का एक उत्कृष्ट उदाहरण था। मोदी की इस यात्रा ने उस रिश्ते को राजनीतिक और आर्थिक स्तर पर और आगे बढ़ाया है। नामीबिया यूरेनियम, लिथियम, कोबाल्ट और तांबा जैसे दुर्लभ खनिजों से समृद्ध है इसलिए भारत की हरित ऊर्जा रणनीति और इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण के लिए दोनों देशों के बीच साझेदारी अत्यंत लाभकारी है। प्रधानमंत्री की इस यात्रा में इन खनिजों की आपूर्ति, प्रसंस्करण और तकनीकी आदान-प्रदान के समझौते हुए।

हम आपको बता दें कि भारत ने नामीबिया को फार्मा, वैक्सीन उत्पादन, आयुष (AYUSH), टेलीमेडिसिन और उच्च शिक्षा में सहायता देने का वादा किया। विशेष रूप से ITEC (Indian Technical and Economic Cooperation) कार्यक्रम के तहत नामीबियाई छात्रों और पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण अवसर बढ़ाए गए हैं। इसके अलावा, भारतीय नौसेना और नामीबियाई समुद्री सुरक्षा बलों के बीच सहयोग पर भी चर्चा हुई। समुद्री सुरक्षा, पायरेसी रोधी रणनीतियों और रक्षा उपकरण आपूर्ति के क्षेत्र में साझेदारी मजबूत करने की सहमति बनी है।

भारत और नामीबिया के संबंधों में सुधार से होने वाले संभावित लाभों पर गौर करें तो आपको बता दें कि नामीबिया से लिथियम और यूरेनियम जैसी धातुओं की आपूर्ति भारत के ऊर्जा, रक्षा और प्रौद्योगिकी क्षेत्र की चीन पर निर्भरता को कम करेगा। साथ ही नामीबिया के साथ सहयोग, भारत को दक्षिणी अफ्रीका में अपनी आर्थिक और कूटनीतिक उपस्थिति बढ़ाने में मदद करेगा। इससे भारत की अफ्रीका नीति को धार मिलेगी। इसके अलावा, भारत की आईटी, स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं से नामीबिया को दीर्घकालिक सामाजिक लाभ मिलेगा। भारतीय दवा उद्योग वहाँ की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को सशक्त बना सकता है। साथ ही दोनों देश G77, NAM और संयुक्त राष्ट्र में विकासशील देशों के पक्ष में समन्वय से काम कर सकते हैं। इससे Global South की आवाज़ और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे।

अजब-गजब

रईसों के मोहल्ले में 'अलमारी' जितना घर! किराया सुनकर उड़ जाएंगे आपके होश

लंदन के पॉश केन्सिंग्टन इलाके में जहां आमतौर पर शाही परिवार और अरबपति बसते हैं, वहां से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां 47 वर्षीय सीजर मेंडेज पिछले चार साल से 11.7 वर्ग मीटर के एक छोटे से फ्लैट में रह रहे हैं। यह घर इतना छोटा है कि इसे 'अलमारी' जितना कहा जा सकता है। इसके बावजूद सीजर इसके लिए इतना किराया भरते हैं कि सुनकर आपको भी ताज्जुब होगा।

मिरर यूके की रिपोर्ट के अनुसार, सीजर जिस घर के लिए लाखों फूंक रहे हैं, वो कभी एक चौकीदार का कमरा हुआ करता था, जिसे अब आलीशान फ्लैट में तब्दील कर दिया गया है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इसका महीने का किराया 1,400 पाउंड (यानी लगभग 1.5 लाख रुपये) है। चूंकि, यह फ्लैट रईसों के मोहल्ले में स्थित है, इसलिए इसकी कीमत 2,50,000 पाउंड (यानी लगभग 2.7 करोड़) आंकी गई है।

स्पेन के टेनेरीफ से आए सीजर का कहना है कि इस छोटे से आशियाने का असली जादू इसकी बेहतरीन लोकेशन है। नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम बिल्कुल पास है, वहीं हाइड पार्क केवल पांच मिनट की दूरी पर है। यही नहीं, सीजर अक्सर शाही परिवार के सदस्यों को अपनी खिड़कियों से गुजरते हुए देखते हैं। उन्होंने कहा, प्रिंस चार्ल्स, प्रिंस विलियम और क्वीन कैमिला के काफिले को तो मैंने कई बार देखा है। यह सब देखकर लगता है कि यहां रहने का मेरा फैसला बिल्कुल सही है।

हालांकि, सीजर सफाई को एक बड़ा सिरदर्द मानते हैं। उनका कहना है कि जगह छोटी होने के कारण हर चीज को करीने से रखना पड़ता है। वे मजाकिया लहजे में कहते हैं, अगर गर्लफ्रेंड होती तो शायद हमारा समय हमेशा लड़ते ही बीतता, क्योंकि छोटी सी जगह भी अगर साफ न हो तो फिर दिमाग तो खराब होगा ही।

यूं तो यह मकान अब बिकने वाला है, लेकिन सीजर को अभी भी उम्मीद है कि वे इसमें रहना जारी रख सकेंगे। उनका कहना है कि यह छोटा जरूर है, पर उनके लिए बिल्कुल परफेक्ट है। मकान मालिक निक मिंस ने बताया कि एक खरीदार ने इसमें रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि वह भी इस फ्लैट में छह महीने बिता चुके हैं, और तब एक शानदार पार्टी भी की थी।

ब्लॉग

भगवंत मान के गैर-जिम्मेदाराना बयान से मोदी के कूटनीतिक प्रयासों पर फिर सकता है पानी

नीरज कुमार दुबे

इस बयान पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने आपत्ति जताई है और अपने बयान में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राओं की आलोचना वाली टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे 'गैरजिम्मेदाराना' करार दिया है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर कटाक्ष करते हुए एक बेहद गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी की है जिसको लेकर विवाद गहरा गया है। देखा जाये तो राजनीति में एक दूसरे की आलोचना करना या विचारों से असहमति जताना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह टिप्पणी देश की विदेश नीति या प्रधानमंत्री की अंतरराष्ट्रीय कूटनीति से जुड़ी हो, तब यह सिर्फ आंतरिक राजनीति तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसके राजनयिक प्रभाव भी हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि भगवंत मान ने एक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह 140 करोड़ लोगों वाले देश में नहीं रहते, बल्कि 10,000 की आबादी वाले देशों का दौरा करते हैं।

इस बयान पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने आपत्ति जताई है और अपने बयान में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राओं की आलोचना वाली टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे ₹गैरजिम्मेदाराना₹ करार दिया है। भगवंत मान का नाम लिए बिना मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार ''राज्य के एक उच्च पदाधिकारी'' द्वारा की गई उन अनुचित टिप्पणियों से खुद को अलग करती है, जिसमें मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों की अनदेखी की गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ₹हमने ग्लोबल साउथ के मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों के बारे में राज्य के एक उच्च पदाधिकारी द्वारा की गई कुछ टिप्पणियां देखी हैं।' उन्होंने भगवंत मान की टिप्पणी पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, 'ये टिप्पणियां गैरजिम्मेदाराना और खेदजनक हैं तथा राज्य के किसी पदाधिकारी को शोभा नहीं देतीं।' जायसवाल ने कहा, 'भारत सरकार मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों को कमजोर करने वाली ऐसी अनुचित टिप्पणियों से खुद को अलग करती है।'

देखा जाये तो भगवंत मान को समझना चाहिए कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्राएं केवल द्विपक्षीय या बहुपक्षीय बैठकें नहीं होतीं, बल्कि वे भारत की वैश्विक स्थिति, रणनीतिक भागीदारी, निवेश संभावनाओं और सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर को मजबूत करने का माध्यम भी होती हैं।

देखा जाये तो भगवंत मान को समझना चाहिए कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्राएं केवल द्विपक्षीय या बहुपक्षीय बैठकें नहीं होतीं, बल्कि वे भारत की वैश्विक स्थिति, रणनीतिक भागीदारी, निवेश संभावनाओं और सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर को मजबूत करने का माध्यम भी होती हैं। प्रधानमंत्री के विदेशी दौरों के दौरान दिये गये बयान और घोषणाएं भारत की विदेश नीति का चेहरा बनती हैं। ऐसे में जब देश का एक मुख्यमंत्री सार्वजनिक रूप से इन यात्राओं की खिल्ली उड़ाता है, तो विदेशी सरकारें और कूटनीतिक संस्थान भारत की आंतरिक एकता, राजनीतिक परिपक्वता और स्थायित्व पर सवाल उठा सकते हैं।

भगवंत मान को समझना चाहिए कि विदेशी राष्ट्र भारत के भीतर के राजनीतिक मतभेदों को सावधानी से परखते हैं। भगवंत मान जैसे नेताओं की टिप्पणियां यह संकेत दे सकती हैं कि भारत की विदेश नीति पर विपक्षी दलों में विश्वास की कमी है। इससे भारत की राजनयिक विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है, विशेष रूप से तब, जब भारत ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने और G20 जैसे मंचों पर मुखर भूमिका निभा रहा हो।

भगवंत मान को समझना चाहिए कि एक लोकतांत्रिक देश में आलोचना और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जरूरी है। लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि नेता राष्ट्रीय मंचों और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर सार्वजनिक बयान देते समय राष्ट्रीय हितों की मर्यादा का ध्यान रखें। प्रधानमंत्री विदेश में न केवल सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, बल्कि पूरे भारत का भी। ऐसे में उनके प्रयासों का उपहास उड़ाना अंततः देश के सामूहिक सम्मान को नुकसान पहुंचा सकता है। विदेशी मीडिया भारतीय नेताओं की ऐसी टिप्पणियों को उद्धृत करता है और कई बार उन्हें संदर्भ से बाहर पेश कर भारत को नुकसान पहुँचाया जाता है। भगवंत मान की टिप्पणी भी इसी श्रेणी में आ सकती है, जिससे भारत की विदेश नीति को लेकर भ्रम फैल सकता है। यह बात निवेशकों, रणनीतिक भागीदारों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भारत के प्रति धारणा को भी प्रभावित कर सकती है।

भगवंत मान को समझना चाहिए कि भारत जैसी उभरती वैश्विक शक्ति के लिए यह आवश्यक है कि उसके आंतरिक राजनीतिक मतभेद अंतरराष्ट्रीय छवि को प्रभावित नहीं करें। विदेश यात्रा जैसे संवेदनशील विषयों पर राजनीतिक बयानबाज़ी भारत की एकजुटता पर सवाल खड़े कर सकती है। इससे यह संदेश जा सकता है कि भारत का राजनीतिक नेतृत्व राष्ट्रीय हितों पर राजनीतिक लाभ को प्राथमिकता देता है, जो किसी भी देश की छवि के लिए सकारात्मक संकेत नहीं होता। हम आपको यह भी बता दें कि भगवंत मान ने पहली बार हल्के स्तर का बयान नहीं दिया है। इससे पहले भी वह विवादित बयान दे चुके हैं जिससे भारतीय कूटनीति के लिए असहज स्थिति बनी है। इंटरनेट पर खोजने पर ऐसी मीडिया रिपोर्टें मिलती हैं कि भगवंत मान ने अपने विदेश दौरों पर (विशेषकर जर्मनी और यूके) अप्रत्यक्ष रूप से भारत में लोकतंत्र के हालात पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कथित रूप से कहा था कि ₹हम पंजाब में लोकतंत्र को जिंदा रखे हुए हैं जबकि अन्य राज्य दबाव में हैं।₹ इससे विदेशी राजनयिक समुदाय में यह संदेश गया था कि भारत के भीतर लोकतांत्रिक स्थिति पर निर्वाचित नेता भी असहमति जताते हैं। देखा जाये तो यह भारत के विरुद्ध प्रचार को बल देता है।

बहरहाल, मुख्यमंत्री भगवंत मान की प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं पर की गई टिप्पणी एक सीमित राजनीतिक फायदे की मंशा से की गई हो सकती है, लेकिन इसके प्रभाव व्यापक और बहुआयामी हो सकते हैं। लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है, लेकिन ऐसा राष्ट्रीय हितों के साथ संतुलन बनाकर किया जाना चाहिए। कूटनीति केवल विदेश मंत्रालय की ही नहीं बल्कि सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों की भी जिम्मेदारी होती है इसलिए सभी को देश की वैश्विक प्रतिष्ठा के संरक्षण में अपनी भूमिका समझनी चाहिए और उसी के अनुरूप आचरण करना चाहिए। व्यक्तिगत बयानबाज़ी का खामियाजा पूरे देश को भुगतना पड़ सकता है यह बात भगवंत मान जैसे नेताओं को समझनी चाहिए।

टारगेट पर अकेली लड़कियां...15 को बेचा, सीएम सुरक्षा में तैनात पीएसओ की बेटी को भी किया गायब, कैसे पकड़े गए तस्कर?

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में कृष्णानगर पुलिस ने मानव तस्करी के बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मानव तस्करी से जुड़े दो आरोपियों मध्य प्रदेश के सहडोल निवासी संतोष साहू और राजस्थान के साकेतनगर निवासी मनीष भंडारी को गिरफ्तार किया है। इनका गिरोह पिछले 12 साल से लड़कियों को शादी और अनैतिक कार्यों के लिए बेचने का गोरखधंधा चला रहा था। पुलिस ने इनके कब्जे से दो किशोरियों को बरामद किया है, जिनमें से एक रायबरेली की रहने वाली है।

डीसीपी दक्षिण निपुण अग्रवाल के अनुसार, गिरोह अकेली और भटकी हुई किशोरियों को निशाना बनाता था। ये लोग चारबाग रेलवे स्टेशन और आलमबाग बस स्टेशन जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में अकेली लड़कियों पर नजर रखते थे। संतोष साहू, जो इस गिरोह का सरगना है, पुलिस की खबर लगते ही वो मोबाइल बदल लेता था। पूछताछ में कबूल किया कि उसने 12 साल में 15 से ज्यादा लड़कियों को बेचा। एक लड़की को शादी या अनैतिक कार्यों के लिए 50 हजार से लेकर 2.75 लाख रुपये तक में बेचा जाता था।

सीएम के पीएसओ की बेटी की तलाश में खुला राज

मामले का खुलासा तब हुआ, जब कृष्णानगर में रहने वाले एक सीएम सुरक्षा में तैनात निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) की 16 वर्षीय बेटी 28 जून को घर से गायब हो गई। उसने अपने पिता को वॉइस मेसेज भेजा था, जिसमें कहा, पापा, मुझे मत खोजना, मैं भगवान के पास जा रही हूं। किशोरी घर से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की मूर्ति भी साथ ले गई थी। उसकी गुमशुदगी की शिकायत 30 जून को कृष्णानगर थाने में दर्ज हुई। छानबीन में पता चला कि किशोरी मथुरा में प्रेमानंद जी महाराज से मिलने की इच्छुक थी। संतोष ने उसकी धार्मिक भावनाओं का फायदा उठाकर उसे झांसे में लिया और चारबाग रेलवे स्टेशन पर बुलाया। इसके बाद वह उसे मथुरा ले जाने के बहाने कानपुर और फिर प्रयागराज अपने घर ले गया। वहां से किशोरी को मनीष भंडारी को 50 हजार रुपये में बेच दिया गया। हालांकि, किशोरी के रोने और पकड़े जाने के डर से मनीष ने उसे रखने से मना कर दिया और 45 हजार रुपये वापस लेकर किशोरी को संतोष को सौंप दिया। पुलिस ने छह टीमें गठित कर किशोरी की तलाश शुरू की। 8 जुलाई को उसे बरामद कर लिया गया। पूछताछ में किशोरी ने अपनी आपबीती सुनाई, जिसके आधार पर गुरुवार को संतोष और मनीष को गिरफ्तार किया गया। संतोष के पास से रायबरेली की एक अन्य किशोरी भी बरामद हुई, जिसके परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

गिरोह का नेटवर्क कई राज्यों में फैला

पूछताछ में खुलासा हुआ कि इस गिरोह का नेटवर्क उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और राजस्थान में फैला हुआ है। सबसे ज्यादा लड़कियां राजस्थान में बेची गईं, जहां हाल ही में एक किशोरी को 2.75 लाख रुपये में सीकर में बेचा गया था। संतोष ने बताया कि वह उन लोगों को टारगेट करता था, जो शादी के लिए लड़कियां खरीदना चाहते थे और इसके लिए लाखों रुपये देने को तैयार थे। संतोष पर लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, छत्तीसगढ़ और प्रतापगढ़ में छह एफआईआर दर्ज हैं, जबकि मनीष पर दो केस दर्ज हैं। संतोष केवल तीसरी कक्षा तक पढ़ा है, जबकि मनीष ने आठवीं तक पढ़ाई की है और वह ट्रेवेल्स में गाड़ी भी चलाता था। दोनों आरोपी पहले छत्तीसगढ़ की जेल में बंद रह चुके हैं। संतोष पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित था।

दिल जीत लेगी बहू की ये तस्वीर! कांवड़ में गंगाजल की जगह बैठाई सास कंधे पर उठाकर शुरू की यात्रा

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। आपने श्रवण कुमार के बारे में तो सुना ही होगा। माता-पिता का कांधे पर बैठाकर उन्होंने तीर्थ यात्रा करवाई थी। कलयुग में भी कई बेटे ऐसे हैं तो माता-पिता को इसी तरह तीर्थ पर ले जाते हैं। मगर क्या आपने किसी ऐसी बहू के बारे में सुना है जो सास के लिए 'श्रवण कुमार' बन जाए? जी हां, इस बार कांवड़ यात्रा में ऐसी ही एक बहू अपनी सास को तीर्थ दर्शन के लिए लेकर निकली है। इस बहू को देख हर कोई बस यही कह रहा है- बहू हो तो ऐसी। पोती भी इस यात्रा में मां का साथ दे रही है। इस बहू का नाम आरती है, जो कि यूपी के हापुड़ की रहने वाली हैं। उन्होंने सास-बहू के रिश्ते को एक नई मिसाल दी है। आरती ने अपनी बूढ़ी सास को कांवड़ में बिठाकर यह यात्रा शुरू की, जबकि आमतौर पर लोग इस यात्रा में गंगाजल लाते हैं। आरती की इस सेवा भावना की हर जगह तारीफ हो रही है और सोशल मीडिया पर भी यह चर्चा का विषय बन गया है। हर कोई बहू की खूब तारीफ कर रहा है। इसका वीडियो भी वायरल हुआ है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

आरती ने पहले अपनी सास को गंगा स्नान कराया और अब उन्हें साथ लेकर हापुड़ लौट रही हैं। इस अनोखे काम की वजह से लोग उन्हें श्रवण कुमार कहकर सम्मान दे रहे हैं। आरती का कहना है कि यह विचार उन्हें भगवान शिव की कृपा से आया। उन्हें लगा कि जैसे वे खुद गंगा स्नान करना चाहती हैं, वैसे ही उनकी सास को भी यह पुण्य मिलना चाहिए। उनकी सास ने शुरुआत में आरती की ताकत पर थोड़ा संदेह किया था, लेकिन अब वे अपनी बहू पर गर्व महसूस कर रही हैं।

जल्द शुरू होने वाला है ये पावन महीना

11 जुलाई से सावन का पवित्र महीना शुरू हो रहा है। इस समय पूरे देश में शिव भक्ति का माहौल रहता है। हरिद्वार में हजारों श्रद्धालु गंगा के किनारे पूजा कर गंगाजल इकट्ठा करते हैं। कांवड़ यात्रा सिर्फ एक धार्मिक रस्म नहीं, बल्कि यह आस्था, सेवा और अनुशासन का प्रतीक है। कांवड़ यात्रा के कुछ नियम होते हैं। बिना स्नान किए कोई कांवड़ नहीं उठा सकता। इस दौरान नशा, मांसाहार, सजावटी चीजें, तेल और साबुन का उपयोग नहीं किया जाता। श्रद्धालु पूरे रास्ते शिव मंत्रों का जाप करते हैं और सादगी से यात्रा करते हैं।

कितने प्रकार के कांवड़ होते हैं?

इस यात्रा के कई प्रकार होते हैं, जैसे सामान्य कांवड़, डाक कांवड़, खड़ी कांवड़, दांडी कांवड़ और झूला कांवड़। लोग अपनी श्रद्धा और ताकत के अनुसार इनमें से किसी एक को चुनते हैं। सावन आते ही शिव भक्तों में भक्ति और उत्साह की लहर दौड़ जाती है। आरती और उनकी सास की यह यात्रा सिर्फ धार्मिक आस्था का उदाहरण नहीं, बल्कि रिश्तों की मिठास, सेवा और प्यार की खूबसूरत मिसाल है।

जलालुद्दीन उर्फ छांगुर को लेकर शुक्रवार को दोपहर में उतरौला के मधपुर में बने कोठी पर पहुंची एटीएस की टीम

आर्यावर्त संवाददाता

उतरौला (बलरामपुर)। धर्मांतरण कराने वाले गिरोह के सरगना जलालुद्दीन उर्फ छांगुर को लेकर एटीएस की टीम शुक्रवार को दोपहर में उतरौला के मधपुर गांव पहुंची। एटीएस के साथ ही अन्य एजेंसियों के रडार पर छांगुर के साथ ही उसके गैंग के अन्य सदस्य भी हैं।

छांगुर, उसकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन और नीतू के पति नवीन रोहरा उर्फ जलालुद्दीन को एटीएस ने गिरफ्तार किया है शुक्रवार को एटीएस की टीम छांगुर को लेकर मधपुर में गिराई गई उसकी कोठी में लेकर आई। जहां टीम कोठी के अंदर पड़ताल में लगी है। कोठी की ओर जाने वाले मार्ग पर पुलिस के द्वारा आमजन का आवागमन रोक दिया गया है।

एटीएस का शिकंजा धर्मांतरण गिरोह के सरगना जलालुद्दीन उर्फ छांगुर और उसकी मुख्य सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन पर शिकंजा कसता जा रहा है। उत्तर प्रदेश एटीएस को इनकी सात दिन की रिमांड मिली है। एटीएस इनके कई राज की बातें उगलवाने के प्रयास में छांगुर को लेकर बलरामपुर पहुंची है टीम के द्वारा लगभग 40 मिनट पूछताछ के बाद पुनः अपने साथ लेकर वापस लखनऊ चली गई।

इलाहाबाद हाई कोर्ट की डबल बेंच ने भी खारिज की स्कूल विलय के विरुद्ध जनहित याचिका

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने बेसिक शिक्षा अधिकारी के तहत आने वाले स्कूलों के विलय को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति एआर मसूदी व न्यायमूर्ति श्री प्रकाश सिंह की खंडपीठ ने गुरवार को ज्योति राजपूत की याचिका पर यह फैसला दिया है। याचिका पर राज्य सरकार ने भी आपत्ति जताकर अपना पक्ष रखा।

न्यायालय ने कहा कि इस विषय पर सात जुलाई को एकल पीठ ने निर्णय दिया था, जिसमें विलय के उक्त आदेश के विरुद्ध दाखिल याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था, वर्तमान जनहित याचिका में एकल पीठ के सात जुलाई के उक्त निर्णय का कोई जिक्र नहीं है लिहाजा इलाहाबाद हाई कोर्ट रुल्स के प्रावधानों के तहत उक्त जनहित याचिका पर सुनवाई नहीं की जा सकती है। कोर्ट ने प्रदेश के प्राथमिक स्कूलों के विलय के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका को शुरुआती सुनवाई के बाद खारिज कर दिया।

इस याचिका का विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर आपत्ति उठाई गई कि मामले में उठाए गए मुद्दे पहले ही सीतापुर के 51 बच्चों की याचिका में एकल पीठ ने निर्णीत कर दिए हैं। ऐसे में समान मुद्दों को लेकर दाखिल यह पीआईएल सुनवाई के योग्य नहीं है। सरकार की आपत्ति पर गौर करने के बाद कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। स्थानीय अधिवक्ता ज्योति राजपूत की जनहित याचिका में राज्य सरकार के स्कूलों के विलय या दो स्कूलों को जोड़ने के राज्य सरकार के 16 जून के आदेश को चुनौती देकर रद करने का आग्रह किया गया था। याची ने गांवों के दूरदराज इलाकों में रहने वाले गरीबों के बच्चों को स्कूल जाने के लिए परिवहन व्यवस्था करने का आग्रह किया था। याचिका में आरटीई अधिनियम के तहत राज्य सरकार को बच्चों के परिवहन के दिशानिर्देश तय करने के निर्देश देने का भी आग्रह किया गया था। याची ने स्कूलों के विलय को गरीब बच्चों के हितों के खिलाफ बताया था।

राज्य सरकार के अपर महाधिवक्ता अनुज कुदेसिया ने मुख्य स्थाई अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह के साथ दलील दी कि इसी सात जुलाई को हाईकोर्ट की एकल पीठ ने स्कूलों के विलय के खिलाफ सीतापुर के 51 बच्चों की दाखिल याचिका समेत एक अन्य याचिका पर विस्तृत फैसला देकर खारिज कर दिया है। ऐसे में समान मामले में यह जनहित याचिका सुनवाई के लायक नहीं है। कोर्ट ने सरकार की ओर से उठाई गई शुरुआती आपत्ति के मद्देनजर जनहित याचिका खारिज कर दी।

रायबरेली में छिनैती के तीन आरोपित पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

आर्यावर्त संवाददाता

रायबरेली। छिनैती के तीन आरोपितों को देर रात पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। इनमें एक आरोपित को दाहिने पैर में गोली लगी है, उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि सात जुलाई को डलमऊ की घुरवारा चौकी के आगे बाइक सवार बदमाश एक महिला का पर्स छीनकर भाग गए थे। पीड़ित सावित्री देवी की शिकायत पर केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही थी।

एएसपी ने बताया कि गुरुवार के रात करीब दो बजे मुखबिर की सूचना पर डलमऊ के गौतमन का पुरवा मजरे चक मालिकभीटी के पास वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान तीन आरोपितों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान सरेनी के धमनीखेड़ा मजरे रामपुर मझिगवां निवासी अनुराग उर्फ कन्हैया त्रिपाठी व कुंजा का पुरवा मलकेगांव निवासी राकेश यादव को गिरफ्तार किया गया है।

तीसरे आरोपित नरेंद्रपुर निवासी दीपक त्रिपाठी के दाहिने पैर में गोली लगी है, उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपितों के पास एक तमंचा व 5820 रूपये नकदी बरबाद की गई है।

वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अजय केसरी का रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी के नेतृत्व में वैश्य समाज के पदाधिकारी के लोगों ने जगह-जगह लोगों ने किया स्वागत

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर में श्री राम जानकी मंदिर सेखुवा परमेश्वरी बलरामपुर सभागार में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी द्वारा संचालित संगठन वैश्य समाज उत्तर प्रदेश की एक बैठक की गयी जिसमें मुख्य अतिथि अजय केसरी प्रदेश अध्यक्ष वैश्य समाज विशिष्ट अतिथि हरिश्चंद्र गुप्ता जिलाध्यक्ष वैश्य समाज बहराइच आदि लोगो को रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी जिलाध्यक्ष पूर्व वैश्य समाज ने स्मृति चिन्ह बूके देकर व सभी पदाधिकारी के लोगों ने भी अतिथियों का दिल खोलकर स्वागत किया कार्यक्रम का नेतृत्व बलरामपुर के चर्चित गौ सेवक रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी ने किया,अध्यक्षता करते कृष्ण गोपाल गुप्ता नगर अध्यक्ष वैश्य समाज ने किया,जिला उपाध्यक्ष रूपचंद गुप्ता ने मंच संचालन किया।

बहनोई की हरकत देख रही थी दुल्हनिया, कन्यादान से पहले तोड़ी शादी, बोली- मुझ पर ये...

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। शादी हो और बवाल न हो, ऐसा किसी-किसी शादी में ही देखने को मिलता है। अक्सर शादियों में लड़ाई झगड़े देखने को मिल ही जाते हैं। कभी कबार को इसी के कारण शादियां भी टूट जाती हैं। उत्तर प्रदेश के बरेली में भी कुछ ऐसा ही हुआ। यहां एक दुल्हन ने बहनोई की हरकत से तंग आकर शादी तोड़ दी। दरअसल, वरमाल के बाद दूल्हे का जीजा दुल्हन पर नोट बरसाने लगा। बस सारा विवाद यहीं से शुरू हुआ और दुल्हन ने शादी के लिए मना कर दिया।

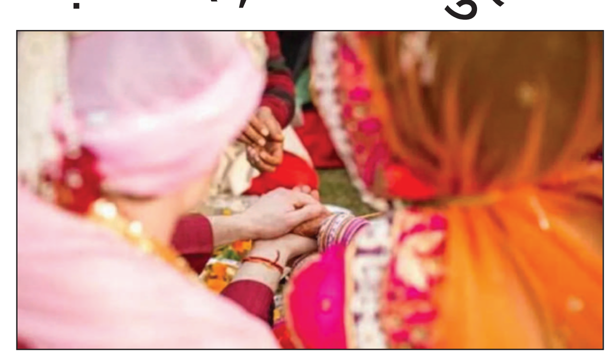

मामला नवाबगंज के क्योलड़िया थाना क्षेत्र का है। यहां मंगलवार रात को आई एक बरात में दूल्हे के बहनोई ने बवाल कर दिया। उसने दुल्हन के साथ शर्मनाक हरकत की। विरोध करने पर लड़की पक्ष से मारपीट कर दी, जिससे दुल्हन की मां-भाई समेत पांच लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि आरोपी शराब के नशे में था। उसने फायरिंग भी की। बाद में अपने साथियों के साथ फरार हो गया। उसकी करतूत से नाराज दुल्हन ने शादी से इनकार कर दिया। दुल्हन के परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

बीसलपुर क्षेत्र से आई थी बरात

जानकारी के मुताबिक क्योलड़िया थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार रात पीलीभीत जनपद के बीसलपुर क्षेत्र से बरात आई थी। लड़की पक्ष ने बरातियों का स्वागत सत्कार किया। जयमाल के बाद दूल्हा-दुल्हन डीजे पर डांस करने लगे। इसी दौरान दूल्हे का बहनोई जेब से नोट निकालकर दुल्हन पर उड़ाने लगा। उसकी यह हरकत लड़की के भाइयों को नागवार लगी। उन्होंने विरोध किया तो वह झगड़ा करने लगा। फिर मारपीट करने पर भी उतारू हो गया। उस वक्त बड़े बुजुर्गों ने मामला शांत करा दिया।

आरोपियों के खिलाफ दी तहरीर

बुधवार सुबह कन्यादान की रस्म हो रही थी, तभी आरोपी अपने साथियों के साथ आ धमका। उसने दुल्हन के परिजनों से मारपीट कर दी। फायरिंग कर दहशत फैलाई। इसके बाद फरार हो गया। घटना में दुल्हन की मां-भाई समेत पांच लोग घायल हुए हैं, जिन्हें सीएचसी नवाबगंज पहुंचाया गया। यहां घायलों का उपचार किया गया। वहीं, लड़की पक्ष ने दूल्हे के बहनोई व अन्य आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी है। इधर, दूल्हा पक्ष के लोग समझौता कराने का प्रयास कर रहे थे। हालांकि दुल्हन अपनी जिद पर अड़ी है।

पेंशन लेने के लिए राम-यशपाल और रविंद्र भी बन गए 'विधवा', बरेली में का ये फर्जीवाड़ा कर देगा हैरान

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में सरकारी योजनाओं के पैसों की बंदरबांट का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां सरकारी दफ्तरों की लापरवाही और बैंककर्मियों की मिलीभगत से गरीब, बेसहारा और ज़रूरतमंद महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं का फायदा पुरुष भी उठा रहे हैं। हैरान करने वाली बात तो ये है कि राम सिंह, यशपाल और रविंद्र जैसे पुरुषों को भी विधवा पेंशन का लाभ मिल रहा है। इतना ही नहीं, ये लोग किसान सम्मान निधि और अन्य सरकारी योजनाओं का पैसा भी हड़प रहे हैं।

यह बड़ा खुलासा बरेली की जिला सहकारी बैंक की फरीदपुर शाखा में हुए गबन की जांच के दौरान हुआ। पता चला कि करीब ढाई से तीन हजार महिलाओं के नाम पर फर्जी तरीके से विधवा पेंशन डाली जा रही है। जिला सहकारी बैंक के महाप्रबंधक देवेंद्र सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि इन खातों में किसान सम्मान निधि, वृद्धावस्था पेंशन और विधवा पेंशन की रकम आ रही है।

कई खातों में एक से ज़्यादा आधार कार्ड जुड़े हुए

चौंकाने वाली बात यह है कि कई खातों में एक से ज़्यादा आधार कार्ड जुड़े हुए हैं, जिससे साफ़ ज़ाहिर होता है कि इस गड़बड़ी में सिर्फ़ बैंक कर्मचारी ही नहीं, बल्कि उन सरकारी विभागों के अधिकारी भी शामिल हैं जो इन योजनाओं को संचालित करते हैं। यह घोटाला डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के ज़रिए खातों में पैसे भेजकर किया गया है।

एक ही नाम पर कई खाते, लाखों का हेरफेर

जांच में सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि एक ही व्यक्ति के नाम से कई खाते खुले हुए हैं और उनमें सरकारी योजनाओं से लाखों रुपये आ चुके हैं। उदाहरण के तौर पर, मोहम्मद अनस और असमीन बेगम के नाम से दो अलग-अलग संयुक्त खाते मिले हैं। इनमें से एक खाते में विधवा पेंशन के 9,000 रुपये और किसान सम्मान निधि के 4,000 रुपये आए, जबकि दूसरे खाते में किसान सम्मान निधि के 30,000 रुपये डाले गए। इसी तरह, यशपाल के खाते में अब तक अलग-अलग योजनाओं से 47,000 रुपये आ चुके हैं। रविंद्र सिंह को भी 12 मार्च को विधवा पेंशन के 9,000 रुपये मिले हैं। इसके अलावा भी कई और लोगों के खातों में इस तरह की अनियमितताएं पाई गई हैं।

जांच में यह भी स्पष्ट हो गया है कि इन खातों में रकम डालने में विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या सिर्फ़ बैंककर्मियों पर कार्रवाई होगी या उन अफ़सरों पर भी गाज गिरेगी जो हर साल सत्यापन के नाम पर सिर्फ़ खानापूर्ति कर रहे थे? फिलहाल, बैंक प्रशासन ने जांच तेज़ कर दी है और संबंधित विभागीय अधिकारियों को भी नोटिस भेजे जा रहे हैं। उम्मीद है कि इस बड़े घोटाले में जल्द ही और नाम सामने आएंगे।

शासन के निर्देशों को ताख पर रख खाना पूर्ति करने मे जुटे अधिकारी

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। तहसील गोला क्षेत्र के ब्लॉक बाकेगंज की पंचायत रोशननगर कुशमौरी मे शुक्रवार को शासन की मनशा के अनुरूप निर्धारित एक ग्राम चौपाल होनी थी यह चौपाल पंचायत की समस्या के समाधान हेतु सीडीओ के निर्देश पर सुनिश्चित की गयी थी।

और चौपाल हुई भी परंतु अलग ही अंदाज मे जिसकी सूचना पंचायत के अन्य गांव तो दूर,पंचायत मुख्यालय के आस पास के लोगों को भी नहीं दी गई। गाँव के ही उत्कर्ष शुक्ला बताते हैं की उनका निवास पंचायत सचिवालय के निकट है उसके बावजूद किसी को सूचना नहीं दी गई शुक्ला यह भी बताते हैं की पिछली बार हुई चौपाल की सूचना भी जनता को नहीं दी गयी थी जिसका विरोध भी गाँव वालों ने किया था। लेकिन इसके बावजूद भी उसी हरकत को दोहराया गया। इससे ग्रामीण काफी आक्रोशित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत मे बहुत से ऐसे गलत कार्य हुए हैं।

गाय को हुआ रेबिज... जिसने भी दूध पिया, वो दहशत में; अब तक 16 लोगों को लगा एंटी रेबीज वैक्सीन

आर्यावर्त संवाददाता

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर जिले के कटका थाना क्षेत्र के लवाइया गांव में एक गाय का दूध पीने के बाद 16 गांववालों को एंटी-रेबीज वैक्सीन लगवानी पड़ी है। गाय को कुत्ते ने काटा था और उसे रेबिज इन्फेक्शन हो गया था। अब इस गाय का जिसने भी दूध पिया है, वो लोग दहशत में हैं।

यह मामला तब सामने आया, जब गांव के मनोज सिंह की पालतू गाय अचानक बीमार पड़ गई। मनोज सिंह के अनुसार, गाय को पानी से डर लगने लगा था, उसके मुंह से लार टपक रही थी और वह अपना सिर दीवार से टकरा रही थी। इन लक्षणों को देखकर परिवार में दहशत फैल गई। आनन-फानन में पशु चिकित्सक को बुलाया गया, जिन्होंने गाय में रेबीज होने की पुष्टि की। रेबीज का नाम सुनते ही पूरे परिवार में खौफ छा गया। हालांकि, गाय की मौत हो गई, जिसे गड्ढा खोदकर दफना दिया गया।

16 लोगों को लगा टीका

गाय में रेबीज की खबर सुनकर ग्रामीण सहम गए। बताया जा रहा है कि जिन लोगों ने भी उस गाय का दूध पिया था या किसी भी तरह उसके संपर्क में आए थे, उन सभी ने एहतियात के तौर पर एंटी-रेबीज वैक्सीन लगवाना शुरू कर दिया है। अब तक 16 लोग यह वैक्सीन लगवा चुके हैं। गाय मालिक मनोज सिंह ने बताया कि कुछ दिन पहले उनकी गाय को एक कुत्ते ने काट लिया था। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि किसी गाय को कुत्ता, सियार या नेवला जैसे रेबीज से संक्रमित जानवर काट लेता है, तो उसमें रेबीज फैल सकता है।

क्या बोले अधिकारी?

पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ। अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि जानवरों में 'सर्रा' नामक एक बीमारी भी होती है, जिसके लक्षण रेबीज से काफी मिलते-जुलते हैं। हालांकि, चूंकि गाय को कुत्ते ने काटा था, इसलिए रेबीज की संभावना अधिक है। डॉ। सिंह ने स्पष्ट किया कि यदि रेबीज के लक्षणों वाली गाय का दूध उबालकर पिया गया है, तो इंसानों में रेबीज होने की संभावना बिल्कुल नहीं है। उन्होंने यह भी सलाह दी कि एहतियात के तौर पर वैक्सीन लगवा लेना चाहिए।

2029 तक लाखों लोगों की एड्स से हो सकती है मौत, संयुक्त राष्ट्र चिंतित

संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि अगर एचआईवी कार्यक्रमों के लिए अमेरिकी धन की भरपाई नहीं की गई, तो 2029 तक लाखों और लोग मौत का शिकार हो सकते हैं।

20 साल पुरानी योजना जो अचानक टूट गई

2003 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने PEP-FAR प्रोग्राम (President's Emergency Plan for AIDS Relief) शुरु किया था। ये HIV के खिलाफ दुनिया का सबसे बड़ा विदेशी मदद कार्यक्रम था। इसने अब तक 8 करोड़ से ज्यादा लोगों की जांच करवाई और 2 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त इलाज मुहैया कराया। अकेले नाइजीरिया की बात करें तो वहां 99 19% HIV की दवाइयों का बजट PEPFAR के जरिए ही पूरा होता था। लेकिन जनवरी 2025 में अमेरिका ने विदेशी मदद अचानक रोक दी, जिससे क्लीनिक बंद हो गए, सप्लाई चेन रुक गई और हजारों कर्मचारियों की नौकरी चली गई।

एक फैसले से हेल्थ सिस्टम पर गिरी आफत

UNAIDS की रिपोर्ट कहती है कि इस फैसले से HIV के खिलाफ कई देशों में चल रहे कार्यक्रम रुक गए हैं। जांच की रफ्तार थम गई है। जागरूकता अभियानों पर ब्रेक लग गया है और कई समुदाय-आधारित संस्थाएं पूरी तरह बंद हो गई हैं। इससे न सिर्फ मरीजों की जान खतरे में पड़ी है, बल्कि WHO और दूसरी एजेंसियों को भी अब दोबारा पूरी व्यवस्था खड़ी करनी पड़ेगी। अमेरिका न केवल दवाइयों और सुविधाओं के लिए पैसे देता था, बल्कि वह अफ्रीकी देशों में HIV से जुड़ा डेटा जुटाने में भी सबसे बड़ी भूमिका निभा रहा था। अब जब ये फंड बंद हुए हैं तो अस्पतालों और सरकारी एजेंसियों के पास न मरीजों का डेटा है, न आगे की रणनीति बनाने का जरिया।

इस साल की शुरुआत में एचआईवी/एड्स के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को उस वक्त बड़ा झटका लगा जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने एचआईवी रोकथाम और उपचार कार्यक्रमों के लिए विदेशी सहायता निधि रोकने का फैसला किया था। इस कदम ने अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य समुदाय में खलबली मचा दी है, स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा अगर इस दिशा में जल्द फिर से विचार न किया गया तो इस महामारी के फिर से उभरने की आशंका हो सकती है।

इस विषय पर अब संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि अगर एचआईवी कार्यक्रमों के लिए अमेरिकी धनराशि की भरपाई नहीं की गई, तो 2029 तक लाखों और लोग मौत का शिकार हो सकते हैं।

पिछले छह महीनों में, अमेरिका के एक फैसले ने स्वास्थ्य को व्यवस्थागत झटका दे दिया था, जिसको लेकर संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने चेतावनी दी है। उन्होंने आगे कहा कि अगर इस धन की भरपाई नहीं की गई, तो विशेषज्ञों ने कहा साल 2029 तक 40 लाख से ज्यादा एड्स से संबंधित मौतें और 60 लाख से ज्यादा एचआईवी संक्रमण के मामले बढ़ सकते हैं।

अमेरिका के एक फैसले ने बिगाड़ दी व्यवस्था

यूएनएड्स ने गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा, धन की कमी ने आपूर्ति श्रृंखलाओं को पहले ही अस्थिर कर दिया है, स्वास्थ्य सुविधाएं बंद कर दी हैं, हजारों स्वास्थ्य क्लीनिक बिना कर्मचारियों के रह गए हैं, रोकथाम कार्यक्रमों में बाधा आई है, एचआईवी परीक्षण के प्रयास बाधित हुए हैं और कई सामुदायिक संगठनों को अपनी एचआईवी गतिविधियों को कम करने या रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा है। ये गंभीर चिंता का विषय है।

दशकों से हो रही प्रगति पर फिर जाएग पानी

यूएनएड्स ने यह भी कहा कि उसे डर है कि अन्य प्रमुख दानदाता भी अपना सहयोग कम कर सकते हैं, जिससे दुनियाभर में एड्स के खिलाफ दशकों से हो रही प्रगति पर पानी फिर सकता है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2025 तक वैश्विक एचआईवी रिस्पॉस के लिए जो 4 बिलियन डॉलर का वादा किया था। ये जनवरी में लगभग रातों रात गायब हो गया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सभी विदेशी सहायता को निलंबित करने का आदेश दिया और बाद में अमेरिकी एआईडी एजेंसी को बंद करने का फैसला किया था।

विशेषज्ञों ने जताई चिंता

यूएस स्थित लिवरपूल विश्वविद्यालय में एचआईवी विशेषज्ञ एंड्रयू हिल ने कहा वैसे तो ट्रम्प को अमेरिकी धन को अपनी इच्छानुसार खर्च करने का अधिकार है, हालांकि कोई भी जिम्मेदार सरकार पहले से चेतावनी दे देती है ताकि देश योजना बना सके, बजाय इसके कि रातोंरात क्लीनिक बंद होने पर मरीजो को फंसा दिया जाए।

2003 में शुरू कई गई थी योजना

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति की एड्स राहत आपातकालीन योजना या PEPFAR सन 2003 में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश द्वारा शुरू की गई थी, जो किसी भी देश द्वारा किसी एक बीमारी पर केंद्रित अब तक की सबसे बड़ी प्रतिबद्धता थी। यूएनएड्स के अनुमान के अनुसार, 2024 में दुनियाभर में एड्स से संबंधित लगभग 6.30 लाख मौतें हुईं। अमेरिकी वित्त पोषण में कटौती के बाद विशेषज्ञों को आशंका है कि आने वाले दिनों में एचआईवी-एड्स के मामले और मौतों में फिर से वृद्धि हो सकती है।

रोजाना एक कप कॉफी में एक चम्मच घी डालकर पीने से क्या होता है?

कॉफी एक ऐसी ड्रिंक है जिसे पूरी दुनिया में ही बड़े शौक से पिया जाता है। कुछ लोगों की तो सुबह की शुरुआत ही कॉफी के साथ होती है। अब तो कुछ लोग कॉफी में घी मिलाकर भी पी रहे हैं। लेकिन ये कितना सही चलिए इस आर्टिकल में एक्सपर्ट से जानते हैं।

कई लोगों की सुबह एक कॉफी के साथ होती है। वहीं, आज कल तो लोग कॉफी में घी डालकर भी पी रहे हैं। लेकिन सवाल ये है कि कॉफी में घी डालकर पीना कितना फायदेमंद है? इसे हेल्थ इंफ्लुएंसर्स और न्यूट्रिशन एक्सपर्ट्स बुलेटप्रूफ कॉफी के नाम से जानते हैं, जो खास तौर पर वेट लॉस, गट हेल्थ और एनर्जी बूस्ट के लिए फायदेमंद बताई जाती है। ऐसा माना जा रहा है कि ये कॉफी न केवल सुबह की शुरुआत को शानदार बनाती है, बल्कि शरीर के मेटाबॉलिज्म को भी एक्टिव रखती है। कई लोग इसे नाश्ते की जगह पीते हैं ताकि पेट भरा रहे और वजन भी कंट्रोल में रहे।

खास बात ये है कि देशी घी में मौजूद हेल्दी फैट्स और कॉफी में मौजूद कैफीन जब एक साथ मिलते हैं, तो शरीर को डबल एनर्जी मिलती है। यही कारण है कि इसे पीने वालों का दावा है कि इससे उनका फोकस बेहतर होता है, भूख कंट्रोल में रहती है और दिनभर थकावट महसूस नहीं होती। लेकिन ये दावे कितने सही है चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं। इसमें जानेंगे कि कॉफी में घी मिलाकर पीने से क्या होता है और ब्लैक कॉफी में भी घी मिलाया जा सकता है।

कॉफी में घी डालकर पीना फायदेमंद है। इस कॉम्बिनेशन का सेवन करने से वजन घटाने से लेकर ऊर्जा बढ़ाने में मदद मिलती है। घी में हैल्दी फैट्स होते हैं जो मेटाबॉलिज्म बढ़ाने में मदद करते हैं, जिससे फैट बर्न होने में भी हेल्प मिलती है। इसके अलावा घी और कॉफी का सेवन एक साथ करने से डाइजेशन भी बेहतर होता है। अगर आप खाली पेट कॉफी में घी डालकर पीते हैं तो ये एनर्जी बूस्टर का काम करती है। घी में मौजूद हेल्दी फैट्स पूरा दिन शरीर में एनर्जी बनाए रखने में मदद करते हैं।

क्या कहती हैं एक्सपर्ट?

नारायणा हॉस्पिटल की सीनियर डाइटिशियन मोहिनी डोंगरे बताती हैं कि, कॉफी में घी डालकर पीने के वैसे तो कई फायदे हैं लेकिन ये व्यक्तिगत अनुभव पर निर्भर करते हैं। उनके मुताबिक, कॉफी में घी डालकर पीने से एनर्जी बढ़ती है, जिससे आप जल्दी थकते नहीं है। हालांकि, वो बताती हैं कि कॉफी में घी डालकर पीने से एक बार डॉक्टर की सलाह जरूर ले लेनी चाहिए।

क्या ब्लैक कॉफी में डाल सकते हैं घी?

कॉफी और घी का कॉम्बिनेशन सेहत के लिए अच्छा है। लेकिन आप ब्लैक कॉफी में घी डालकर नहीं पी सकते हैं, ये कॉम्बिनेशन सेहत पर नकारात्मक असर डाल सकता है। आयुर्वेद एक्सपर्ट किरण गुप्ता बताती हैं कि, अगर आप ब्लैक कॉफी में घी डालते हैं जो इससे कॉफी के सारे पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। इसे पीने से पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं, जैसे कब्ज, गैस और एसिडिटी।

किन लोगों को नहीं करना सेवन?

कुछ लोगों को कॉफी में घी डालकर पीने से परहेज करना चाहिए। इसमें शामिल है ओबेसिटी से जूझ रहे लोग । क्योंकि भले घी में हेल्दी फैट्स होते हैं लेकिन ये जरूरत से ज्यादा इसका सेवन करने से वजन और बढ़ सकता है, क्योंकि कॉफी में घी मिलाने से फैट बर्निंग प्रोसेस स्लो हो सकता है। इसके अलावा इसका जरूरत से ज्यादा सेवन कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ा सकता है, जो हार्ट के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। डायबटिजी के मरीजों को भी कॉफी में घी डालकर नहीं पीना चाहिए, इससे इंसुलिन रेसिस्टेंस बढ़ सकता है।

सावन के सोमवार का व्रत रखते समय इन बातों का रखें ख्याल, शरीर में बनी रहेगी एनर्जी

व्रत में खान पान को लेकर कई तरह की पाबंदियां लगाती हैं, जिसकी वजह से व्रत के दौरान कई लोगों को कमजोरी, थकान, चक्कर और शरीर में एनर्जी की कमी महसूस होने लगती है, खासकर जब व्रत पूरे दिन का हो और दिनभर कुछ न खाया गया हो।

सावन का महीना हिंदू धर्म में खास महत्व रखता है। ये महीना भगवान शिव को समपर्ति है। इस पूरे महीने में भगवान शिव की पूजा-अर्जना कर उन्हें प्रसन्न किया जाता है। सावन में हर सोमवार को व्रत रखने की भी परंपरा है। माना जाता है कि सावन के सोमवार का व्रत कर शिव की पूजा करने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। यही वजह है कि महिलाएं ही नहीं, पुरुष भी इस व्रत को श्रद्धा भाव से रखते हैं।

व्रत में खान पान को लेकर कई तरह की पाबंदियां लगाती हैं, जिसकी वजह से व्रत के दौरान कई लोगों को कमजोरी, थकान, चक्कर और शरीर में एनर्जी की कमी महसूस होने लगती है, खासकर जब व्रत पूरे दिन का हो और दिनभर कुछ न खाया गया हो। ऐसे में जरूरी है कि व्रत रखते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखा जाए, जिससे शरीर भी स्वस्थ रहे और व्रत भी सफलतापूर्वक पूरा हो। तो चलिए इस आर्टिकल में एक्सपर्ट से जानते हैं कि व्रत के दौरान क्या खाना चाहिए और क्या नहीं।

व्रत में क्या खाना चाहिए ?

दिल्ली के श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट की चीफ डायटिशियन प्रिया पालीवाल बताती हैं कि, सावन के सोमवार का व्रत रखते समय शरीर में ऊर्जा बनी रहे इसके लिए सही आहार लेना जरूरी है। व्रत के दौरान हल्का और पौष्टिक खाना खाएं जिसमें फल, सूखे मेवे, मखाने, और दूध शामिल हों। ये चीजें शरीर को ऊर्जा देती हैं और भूख भी जल्दी नहीं लगती। व्रत में सूखे मेवे जैसे बादाम और किशमिश का सेवन करें, ये एनर्जी के अच्छे स्रोत हैं। इसके अलावा व्रत के दौरान आराम करना और योग या हल्की एक्सरसाइज करना भी फायदेमंद रहता है ताकि शरीर फिट और एनर्जेटिक रहे। साबुत अनाज की जगह साबुत फल या हल्के फलों का सेवन करना भी बेहतर है।

व्रत में किन चीजों से करें परहेज?

एक्सपर्ट के मुताबिक, व्रत में कुछ चीजों से परहेज करना चाहिए। जैसे तला-भुना और भारी भोजन व्रत के दौरान न लें क्योंकि ये पाचन में दिक्कत पैदा कर सकते हैं। जितना हो सके उतना पानी पिएं और शरीर को हाइड्रेट रखें ताकि थकान महसूस न हो। इसके अलावा व्रत के दौरान नमक और मसाले की मात्रा सीमित रखें, इससे शरीर की जल धारणा सही रहती है। इन्हें ध्यान में रखकर सावन के सोमवार का व्रत स्वस्थ तरीके से मनाएं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

सावन का व्रत सिर्फ शरीर को भूखा रखने का नाम नहीं है, बल्कि ये मन, वचन और कर्म को भी शुद्ध करने का एक माध्यम होता है। इसलिए जरूरी है कि व्रत के समय हम अपने खाने-पीने के साथ-साथ व्यवहार और सोच पर भी ध्यान दें। सबसे पहले, कोशिश करें कि मन को शांत रखें और गुस्सा, जलन या किसी तरह की नकारात्मक सोच से दूर रहें। व्रत का असली मकसद होता है आत्म-संयम और भक्ति में मन लगाना। इसलिए दिनभर भगवान शिव के नाम का जाप करें, शिव चालीसा या मंत्रों का पाठ करें और जहां तक हो सके, अच्छे विचारों वाले कामों में मन लगाएं। साफ-सफाई का खास ख्याल रखें, रोज नहाकर साफ कपड़े पहनें और पूजा से पहले शरीर और मन दोनों को पवित्र करें।

क्या बीमा के कारण मोटे बिल बना रहे अस्पताल? सूत्रों का दावा- नकेल कसने की तैयारी में सरकार

भारत सरकार स्वास्थ्य बीमा दावों के लिए बनाए गए ऑनलाइन पोर्टल की सख्त निगरानी से जुड़ी की योजना बनाने पर मंथन कर रही है। ये दावा किया गया है, एक मीडिया रिपोर्ट में। इसके मुताबिक देश में स्वास्थ्य देखभाल की लागत 2025 में 13 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। ये वैश्विक औसत 10 फीसदी से काफी अधिक है। ऐसे में सूत्रों का कहना है कि सरकार अस्पताल के बिलों पर नकेल कसने की तैयारी कर रही है। जानिए क्या है पूरा मामला

भारत सरकार स्वास्थ्य बीमा दावों को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बढ़ती लागत पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार बड़ा कदम उठाने की योजना बना रही है। सरकार की योजना है कि मौजूदा नेशनल हेल्थ क्लेम्स एक्सचेंज पोर्टल को वित्त मंत्रालय और बीमा नियामक संस्था IRDAI (भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण) के अधीन लाया जाए। बता दें कि अभी यह पोर्टल स्वास्थ्य मंत्रालय की National Health Authority के अंतर्गत आता है।

अस्पतालों में बीमा कवरेज वाले मरीजों से अधिक पैसे लिए जा रहे हैं

समाचार एजेंसी रॉयटर्स पर सरकारी सूत्रों के हवाले से प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, बीमा नियामक संस्था और सरकार ने कई विश्लेषण किए हैं। इसमें यह पाया गया है कि कई निजी अस्पताल बीमा कराने वाले मरीजों से अत्यधिक पैसा वसूल रहे हैं। जिन मरीजों के पास लाखों या करोड़ों रुपये के बीमा कवरेज हैं, उनसे और अधिक पैसे लिए जा रहे हैं। इसका सीधा असर बीमा कंपनियों की लागत पर पड़ रहा है। इस कारण कंपनियां प्रीमियम की दरें बढ़ा रही हैं। इससे कई लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा लेना महंगा या लगभग असंभव हो गया है।

सरकार अब नकेल कसने की कवायद कर रही है

इस रिपोर्ट में एक ग्लोबल मेडिकल ट्रेंड का भी जिक्र किया गया है। इसके मुताबिक, भारत में स्वास्थ्य सेवा की लागत 2025 में 13% तक बढ़ने का अनुमान है, जो वैश्विक औसत 10 फीसदी से अधिक है। अस्पतालों की लागत 2024 में दर्ज की गई 12 फीसदी से भी अधिक पाई गई है, जिसके बाद केंद्र सरकार अब नकेल कसने की कवायद कर रही है।

बीमा प्रीमियम की बढ़ती लागत चिंताजनक

खबर के मुताबिक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि देश में स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम से होने वाली वार्षिक आय भी कम हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि दर घटकर 9% रह गई है, जबकि पहले यह 20 फीसदी से अधिक थी। बीमा प्रीमियम की बढ़ती लागत के कारण लोग अपनी पॉलिसी का नवीनीकरण नहीं करा पा रहे हैं।

बीमा के दावों से जुड़े पोर्टल की निगरानी वित्त मंत्रालय और बीमा नियामक के अधीन

तमाम पहलुओं के विश्लेषण के बाद सरकार का मानना है कि अगर बीमा के दावों से जुड़े पोर्टल की निगरानी वित्त मंत्रालय और बीमा नियामक के अधीन लाई जाती है, तो बीमा कंपनियां मिलकर अस्पतालों के साथ दरें तय करने में सक्षम होंगी। इससे अनावश्यक खर्च और ओवरचार्जिंग पर नकेल कसी जा सकेगी। सरकार का मकसद स्वास्थ्य बीमा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, सुलभ और किफायती बनाना है।

भारत सरकार की तरफ से आधिकारिक बयान का इंतजार

यह भी दिलचस्प है कि स्वास्थ्य और वित्त मंत्रालयों की तरफ से इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। हालांकि, अगर सरकार यह पहल करती है तो देश में आसमान छूते जा रही अस्पताल के खर्चों और स्वास्थ्य लागत पर भी अंकुश लगाया जा सकेगा। साथ ही बीमा के गिरते कवरेज को नियंत्रित करने में भी मदद मिल सकती है।

यूपीआई के जरिए दुनिया में सबसे तेज गति से भुगतान करने वाला देश बना भारत, आईएमएफ ने भी माना लोहा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के यूपीआई का अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी लोहा मान लिया है। इसने एक रिपोर्ट में कहा, यूपीआई के तेज विकास के कारण भारत अब किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक तेजी से भुगतान करता है। इससे डेबिट और क्रेडिट कार्ड सहित भुगतान के अन्य साधनों का उपयोग घट रहा है।

आईएमएफ ने बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में कहा, 2016 में लॉन्च होने के बाद से यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का तेजी से विकास हुआ है। यूपीआई के जरिये अब प्रति माह 18 अरब से अधिक लेनदेन हो रहा। यह भारत में अन्य इलेक्ट्रॉनिक खुदरा भुगतानों में अग्रणी है। यूपीआई जैसी अंतर संचालनीय भुगतान प्रणालियां, क्लोज्ड-लूप प्रणालियों के विकल्प हैं जो डिजिटल भुगतान को अपनाने को भी बढ़ावा दे सकती हैं। ऐसी प्रणालियां विभिन्न भुगतान प्रदाताओं के यूजर्स के बीच निर्बाध भुगतान की अनुमति देती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कुल डिजिटल भुगतान भी नकदी उपयोग के सापेक्ष बढ़ रहे हैं।

देश के बाहर यूपीआई का प्रभाव बढ़ा

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने उपोयगकर्ता अनुभव बढ़ाने के लिए यूपीआई में नई सुविधाएं शुरू की हैं। इसमें क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट्स, लोन और इंश्योरेंस सेवाओं के एकीकरण और अन्य अनेक सुविधाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 3-4 जुलाई को त्रिनिदाद और टोबैगो यात्रा के दौरान यूपीआई की अंतरराष्ट्रीय पहुंच का नया उदाहरण देखने को मिला।

इससे पहले विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों ने डिजिटल क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने में गहरी रुचि व्यक्त की। त्रिनिदाद और टौबैगो यूपीआई को अपनाने वाला पहला कैरेबियाई देश बन गया है। दोनों देशों ने डिजिटल क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने और इंडिया स्टैक सॉल्यूशंस जैसे डिजीलॉकर, ई-साइन और गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) के कार्यान्वयन में सहयोग पर सहमति जताई। गौरतलब है कि बीते जनवरी माह में भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने अमेरिका, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात समेत दस देशों के अप्रवासियों को एनआरई (नॉन रेसीडेंट एक्सटर्नल) या एनआरओ (नॉन रेसीडेंट ऑर्डिनरी) खातों से यूपीआई का इस्तेमाल करके धन के हस्तांतरण (डिजिटल रूप से) करने की अनुमति दी है। एनपीसीआई ने एक सर्कुलर में कहा कि उसे अप्रवासियों को यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) में लेन देन के लिए अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल करने की अनुमति देने के लिए अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं।

मेक इन इंडिया बूस्ट : सैमसंग इंडिया ने गैलेक्सी जेड फोल्ड7, फ्लिप7 के लिए प्री-ऑर्डर किए शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने घोषणा की कि 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देने के क्रम में कंपनी ने अब तक की सबसे एडवांस गैलेक्सी जेड सीरीज गैलेक्सी जेड फोल्ड7 और गैलेक्सी जेड फ्लिप7 के लिए प्री-ऑर्डर लेना शुरू कर दिया है, जिनका निर्माण देश में ही किया जा रहा है। गैलेक्सी जेड फोल्ड7, गैलेक्सी जेड फोल्ड सीरीज में अब तक का सबसे पतला और हल्का फोन है, जो बेहतर गैलेक्सी डिजाइन, कैमरा कार्यक्षमता और एआई इनोवेशन के साथ आता है। कंपनी ने कहा कि डिवाइस एक अल्ट्रा-स्मार्टफोन जैसे प्रीमियम परफॉर्मेंस और एक्सपीरियंस प्रदान करता है, साथ ही अनफोल्ड होने पर एक बड़े, अधिक इमर्सिव डिस्प्ले के साथ दक्षता और उत्पादकता के नए स्तरों को भी पेश करता है। गैलेक्सी फ्लिप7 की शुरुआती कीमत 1,09,999 रुपए है, जबकि गैलेक्सी फोल्ड7 की शुरुआती कीमत 1,74,999 रुपए है। इसके समान गैलेक्सी फ्लिप7 एफई की शुरुआती कीमत 89,999 रुपए है। कंपनी ने बताया कि गैलेक्सी र्ं फोल्ड7 और र्ं फ्लिप7 को प्री-ऑर्डर करने वाले ग्राहकों को 24 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई के अलावा 12,000 रुपए के प्री-ऑर्डर बेनिफिट्स मिलेंगे। अपने अल्ट्रा-थिन और हल्के डिजाइन और चौड़े कवर डिस्प्ले के साथ, गैलेक्सी र्ं फोल्ड7 एक सहज ऑन-द-गो एक्सपीरियंस प्रदान करता है, जो इसे फोल्ड करने पर टाइपिंग और ब्राउजिंग को आसान बनाता है।

ईरान पर इजराइल ने फिर बना लिया हमले का पूरा प्लान

तेल अवीव, एजेंसी। 22 जून को अमेरिका ने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के तहत ईरान के तीन बड़े परमाणु ठिकानों-इस्फहान, फोर्दो और नतांज पर बमबारी की थी। ट्रंप और उनके रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दावा किया था कि ये साइट्स पूरी तरह खत्म कर दी गई हैं। लेकिन अब इजराइल और अमेरिकी एजेंसियों के ताजा इनपुट्स से यह साफ हो रहा है कि नुकसान तो हुआ, लेकिन पूरी तबाही नहीं हुई

रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि ईरान के अहम परमाणु साइट में से एक इस्फहान पर यूरेनियम अब भी मौजूद है। और अगर ईरान उसे फिर से निकालने की कोशिश करता है, तो इजराइल पहला हमला यहीं कर सकता है। यानी अगला टारगेट तय है और तैयारी भी।

इस बार इस्फहान सबसे पहले निशाने पर क्यों?

इजराइल के खुफिया सूत्रों का कहना है कि इस्फहान न्यूक्लियर फैसिलिटी में गहराई में दबा समृद्ध यूरेनियम अब भी बरकरार है। एक वरिष्ठ इजराइली अधिकारी के मुताबिक वो यूरेनियम शायद अब भी बरामद किया जा सकता है, हालांकि ये एक मुश्किल काम होगा। इजराइल को शक है कि ईरान उस स्टॉक को दोबारा निकालकर अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से शुरू कर सकता है। यही वजह है कि इस बार सबसे पहला निशाना इस्फहान को बनाया जा सकता है।

22 जून को क्या हुआ था?

ऑपरेशन मिडनाइट हैमर में अमेरिका ने ईरान के तीन अहम न्यूक्लियर साइट्स पर हमला किया था। नतांज और फोर्दो पर बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स से बमबारी की गई, जबकि इस्फहान पर अमेरिकी पनडुब्बी से टॉमहॉक क्रूज़ मिसाइलें दागी गईं। हालांकि अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने अब तक यह नहीं बताया है कि मिसाइलें कितनी गहराई तक पहुंचीं और क्या उन्होंने यूरेनियम स्टॉक को पूरी तरह खत्म किया या नहीं।

ईरानी राष्ट्रपति की प्रतिक्रिया और IAEA को न्योता

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने अमेरिकी पत्रकार टकर कार्लसन को दिए इंटरव्यू में माना कि हमलों से भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि ईरानी अधिकारियों को अब तक इन साइट्स तक पहुंचने का मौका नहीं मिला है। पेज़ेश्कियन ने यह भी कहा कि ईरान IAEA यानी इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी से फिर से सहयोग के लिए तैयार है, लेकिन अभी वह साइट्स जांच के लिए नहीं खोली जा सकतीं।

हमला या बातचीत? इजराइल किस ओर जाएगा?

इस वक्त इजराइल दो मोर्चों पर काम कर रहा है। एक तरफ सैन्य विकल्प पर गंभीरता से विचार, दूसरी ओर बैकडोर डिप्लोमेसी भी जारी है। लेकिन खुफिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अगर ईरान ने यूरेनियम रिकवरी की कोई कोशिश की, तो इजराइल का अगला हमला तय है और पहला वार इस्फहान पर ही होगा। आने वाले कुछ हफ्तों में यह साफ हो जाएगा कि क्या इस तनाव भरे रिश्ते को बातचीत की राह मिलेगी या वेस्ट एशिया एक और टकराव की ओर बढ़ेगा।

अगले 4 साल में हो सकती हैं 40 लाख मौतें, अमेरिकी राष्ट्रपति के एक फैसले से एड्स संक्रमण के कहर का खतरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। AIDS से लड़ाई में जहां नई दवाओं की वजह से दुनिया जीत के करीब दिख रही थी, वहीं अमेरिका के अचानक लिए गए एक फैसले ने पूरी उम्मीदों को झटका दे दिया है। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका ने HIV प्रोग्राम्स के लिए दी जाने वाली अंतरराष्ट्रीय मदद पर रोक लगा दी है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था UNAIDS ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका की इस फंडिंग की भरपाई नहीं हुई, तो 2029 तक यानी अगले 4 वर्षों में 40 लाख लोगों की जान जा सकती है और 60 लाख से अधिक नए संक्रमण के मामले सामने आ सकते हैं। आइए जानते हैं अमेरिका के इस प्रोग्राम के बारे में, क्यों ये HIV-AIDS की लड़ाई में अहम था? 2003 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने PEPFAR प्रोग्राम (President's Emergency Plan for AIDS Relief) शुरु किया था। ये HIV के खिलाफ दुनिया का सबसे बड़ा विदेशी मदद कार्यक्रम था। इसने अब तक 8 करोड़ से ज्यादा लोगों की जांच करवाई और 2 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त इलाज मुहैया कराया। अकेले नाइजीरिया की बात करें तो वहां 99।9% HIV की दवाइयों का बजट PEPFAR के जरिए ही पूरा होता था। लेकिन जनवरी 2025 में अमेरिका ने विदेशी मदद अचानक रोक दी, जिससे क्लीनिक बंद हो गए, सप्लाई चेन रुक गई और हजारों कर्मचारियों की नौकरी चली गई। UNAIDS की रिपोर्ट कहती है कि इस फैसले से HIV के खिलाफ कई देशों में चल रहे कार्यक्रम रुक गए हैं। जांच की रफ्तार थम गई है। जागरूकता अभियानों पर ब्रेक लग गया है और कई समुदाय-आधारित संस्थाएं पूरी तरह बंद हो गई हैं।

टैरिफ छोड़िए... ट्रंप ने नासा में मचा रखी है हलचल, सैकड़ों कर्मचारियों की नौकरी पर खतरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनते ही जहां दुनियाभर में व्यापारिक टैरिफ को लेकर हलचल है, वहीं अब एक और बड़े फैसले ने हलचल मचा दी है। इस बार निशाने पर है अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा, रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन 2,000 से ज्यादा सीनियर नासा कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी में है, जिससे एजेंसी का भविष्य और अमेरिका की अंतरिक्ष रणनीति दोनों खतरे में पड़ सकते हैं। Politico की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन 2,145 सीनियर रैंकिंग कर्मचारियों को हटाने की योजना बना रहा है। ये वे लोग हैं जो GS-13 से GS-15 ग्रेड के अंतर्गत आते हैं यानी तकनीकी या मैनेजमेंट विशेषज्ञ। इन लोगों में से कई ने दशकों तक नासा की सेवा की है। इन छंटनियों में से लगभग 1,818 कर्मचारी सीधे नासा के मुख्य मिशन जैसे साइंस, ह्यूमन स्पेसफ्लाइट से जुड़े हुए हैं। बाकी कर्मचारी मिशन सपोर्ट जैसे IT और प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभाते हैं। नासा के कुल 10 प्रमुख केंद्रों में से हर एक पर इस फैसले का सीधा असर पड़ेगा। सबसे ज्यादा कटौती Goddard Space Flight Center (Maryland) में की जाएगी, जहां से 607 कर्मचारी हटाए जाएंगे। इसके बाद Johnson Space Center (Texas) में 366, Kennedy Space Center (Florida) में 311, और नासा हेडक्वार्टर (Washington) में 307 कर्मचारियों की छंटनी होगी। इसके अलावा Langley Research Center (Virginia) में 281, Marshall Space Flight Center (Alabama) में 279, और Glenn Research Center (Cleveland) में 191 कर्मचारियों की नौकरी खतरे में है। ट्रंप सरकार की योजना के तहत अर्ली रिटायरमेंट, बायआउट और डिफर्ड रेजिग्नेशन का सहारा लिया जा रहा है। लेकिन सवाल ये उठ रहा है कि क्या इतने अनुभवी लोगों की गैरमौजूदगी में नासा अपने आगामी मिशन जैसे चांद और मंगल पर भेजे जाने वाले अंतरिक्ष यान को समय पर और सफलतापूर्वक पूरा कर पाएगा? इतना ही नहीं, नासा अभी तक अपने नए एडमिनिस्ट्रेटर के बिना ही काम कर रहा है। ट्रंप प्रशासन ने अचानक अरबपति स्पेस टूरिस्ट जारेड आइजैकमैन की नॉमिनेशन वापिस ले ली, जिनका नाम खुद एलन मस्क ने सुझाया था। माना जा रहा है कि यह फैसला स्पेसX और मस्क के खिलाफ एक सियासी जवाबी हमला था। ट्रंप की ये नई नीति जहां सरकारी खर्च घटाने की कोशिश के तहत सामने आई है, वहीं ये नासा के भविष्य और अमेरिका की स्पेस सुपरपावर इमेज पर बड़ा खतरा बन सकती है।

बैकफुट पर आई नेतन्याहू की सरकार, हूती से अब अकेले नहीं लड़ेगा इजराइल

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने हूती से लड़ने के लिए अमेरिका और यूरोपीय देशों से मदद मांगी है। इजराइल सरकार का कहना है कि हूती मध्य पूर्व में अब सिर्फ उसकी समस्या नहीं है, इसलिए सभी देश उसके खिलाफ खुलकर आए। इजराइल ने अमेरिका से साफ कहा है कि हूती से लड़ने के लिए वो अकेले जंग के मैदान में जाने वाला नहीं है।

टाइम्स ऑफ इजराइल ने कान के हवाले से एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। इसमें कहा गया है कि इजराइल ने हूती को लेकर अमेरिका से समझौता तोड़ने का आग्रह किया है। इजराइल ने कहा है कि अगर अमेरिका समझौता जारी रखता है तो इसका काफी नुकसान उठाना पड़ेगा।

हूती से इजराइल सकते में क्यों है?

1। हूती के पास काफी ज्यादा पैसा है। टेलीग्राफ ब्रिटेन के मुताबिक संगठन ने वसूली के जरिए 2024 में 18 अरब रुपए जुटाया था। हर साल उसका लक्ष्य करीब 20 अरब रुपए जुटाना है। इन सभी पैसों का इस्तेमाल हूती के विद्रोही आधुनिक हथियार बनाने के लिए कर रहे हैं।

2। हूती लड़ाकों के लैंग्वेज को मोसाद के अधिकारी पकड़ नहीं पा रहे हैं, जिसके कारण उसकी खुफिया जानकारी जुटाना मुश्किल हो रहा है। इतना ही नहीं, यमन के करीबी सऊदी भी हूती के खिलाफ इजराइल का सीधा साथ नहीं दे रहा है। हूती ने सऊदी को धमकी दे रखा है।

3। हूती के पास मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम है। उसके पास बैलिस्टिक मिसाइलों का जखीरा भी है। हाल ही में जहाज डूबोने के लिए हूती विद्रोहियों ने एक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया था। इजराइल पर भी रोज 2 मिसाइल हूती दाग रहा है।

4। हूती विद्रोहियों से अमेरिका भी नहीं लड़ पाया। फरवरी में हूतियों से जब अमेरिका ने जंग की शुरुआत की, तो हूती ने उसके 23 एमक्यू ड्रोन को मार गिराने का दावा किया। हूती के चक्कर में अमेरिका का करीब 60 अरब रुपए का हथियार बर्बाद हो गया। अमेरिका ने आखिर में समझौता कर लिया।

हूतियों ने इजराइल को रडार पर लिया

हूती ने पिछले 48 घंटे में 2 जहाज को डूबो दिया है। इनमें एक जहाज कार्गो है। हूती ने दोनों जहाज को इजराइल समर्थक बताया है। हूती पर इस सप्ताह की शुरुआत में इजराइल ने 60 बम गिराए थे, लेकिन उसका विद्रोहियों पर कोई असर नहीं हुआ। हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उसने इजराइल को समुंद्री मोर्चे पर पूरी तरह घेर लिया है।

एक भी तस्वीर दिखाइए, जो भारत को हुआ नुकसान दिखाती हो

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बोले एनएसए अजित डोभाल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल चेन्नई में आईआईटी मद्रास के 62वें कॉन्वोकेशन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी बात की। अजीत डोभाल ने इस दौरान ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी भी बताई। उन्होंने कहा, एक भी तस्वीर दिखाइए, जो भारत के नुकसान को दिखाती हो।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बात करते हुए कहा, हमने पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों पर हमला करने का फैसला किया है। हमें अपने ऑपरेशन सिंदूर पर गर्व है। हमने अपने तय 9 लक्ष्यों के अलावा कहीं और हमला नहीं किया। हमले सटीक थे। उन्होंने आगे कहा, चाहे वो हमारा ब्रह्मोस हो या रडार, सभी स्वदेशी थे"।

विदेशी मीडिया पर साधा निशाना

इसी के साथ कॉन्वोकेशन में विदेशी मीडिया की ऑपरेशन सिंदूर को लेकर की गई रिपोर्टिंग के लिए अजीत डोभाल ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, विदेशी मीडिया ने कहा कि पाकिस्तान ने ऐसा किया और ऐसा किया। आप मुझे एक भी फोटो दिखाइए जिसमें किसी भी भारतीय इमारत को कोई नुकसान दिखाया गया हो, एक भी तस्वीर दिखाइए, जो भारत के नुकसान को दिखाती हो। यहां तक कि एक कांच का शीशा भी तोड़ा गया हो। विदेशी मीडिया ने बातें लिखीं और चीजें सामने रखीं।"हमारे पूर्वजों ने बहुत कुछ सहा"

अजीत डोभाल ने कहा, हमें अपनी स्वदेशी तकनीक विकसित करनी होगी। पूरे ऑपरेशन में 23 मिनट लगे। उन्होंने आगे कहा, आप एक ऐसे देश, एक ऐसी सभ्यता से संबंध रखते हैं, जो हजारों वर्षों से संकटग्रस्त और अपमानित रही है। हमारे पूर्वजों ने बहुत कुछ सहा है। मुझे नहीं पता कि इस सभ्यता को जीवित रखने के लिए, राष्ट्र की इस धारणा को जीवित रखने के लिए उन्होंने कितने अपमान, अभाव और कष्ट सहे हैं। राष्ट्र, राज्य से अलग होता है। भारत, एक राष्ट्र है। अब से 22 साल बाद हम अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। उस समय आप अपने करियर की ऊंचाई पर होंगे।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत को मिली सफलता

भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले दिनों तनाव बढ़ गया था। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को अटैक हुआ था। इस हमले में आतंकवादियों ने निहत्थे लोगों पर गोलियां बरसाई। इसी के बाद भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया। इस ऑपरेशन के तहत पाकिस्तान के 9 आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया। उन्हें तबाह किया गया। इसी के बाद पाकिस्तान ने भी भारत पर हमला करने की नाकाम कोशिश की। दोनों देशों के बीच 10 मई को सीजफायर हुआ।

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर विपक्ष की रोक की मांग पर भाजपा का हमला, कहा– उनको SC और ECI पर भरोसा करना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद खूब सियासी बयानबाजी हो रही है। विपक्ष ने मतदाता सूची पुनरीक्षण पर रोक लगाने की मांग की है। इस पर भाजपा ने सवाल उठाए हैं। भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कहा है कि विपक्षी दलों का चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा करना बेहद दुखद है। उनको सुप्रीम कोर्ट और आयोग दोनों पर भरोसा करना चाहिए।

किसी ने रोका नहीं, हम गिर गए थे... गाड़ी पर न चढ़ने देने के सवाल पर पप्पू यादव ने याद दिलाया हैशटैग वाला वक्त

नई दिल्ली। 'सत्ता सम्मेलन बिहार' में बिहार की सियासत को लेकर जोरदार मंथन जारी है। रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने सीएम नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला। कांग्रेस नेता और सांसद पप्पू यादव ने कहा कि जाति-पाति और धर्म न करें तो ये लोग मुखिया का चुनाव भी जीत नहीं सकते। बिहार बंद (9 जुलाई) के दौरान राज्य में प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की गाड़ी पर नहीं चढ़ने देने के सवाल पर पप्पू यादव ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी चुनाव आयोग के खिलाफ लगातार आवाज उठा रहे हैं, हम भी उनके साथ खड़े थे। जहां तक गाड़ी पर चढ़ने की बात है मैं ऊपर चढ़ने की कोशिश नहीं कर रहा था और हमें किसी ने चढ़ने रोका नहीं। हमारी सिक्योरिटी के लोग थोड़े दूर खड़े थे।

संविधान की हर पंक्ति में गीता की शिक्षा नजर आती है : आरिफ मोहम्मद खान

नई दिल्ली। बिहार में इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले टीवी9 भारतवर्ष 'सत्ता सम्मेलन बिहार' का आयोजन कर रहा है। इस खास कार्यक्रम के तीसरे सत्र 'हम भारत के लोग' में बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शिरकत की। उन्होंने टीवी9 के मंच से भारत के संविधान पर बात की है और कहा कि संविधान की हर पंक्ति में गीता की शिक्षा नजर आती है।

हम भारत के लोग पर अपने विचार साझा करते हुए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद ने भगवत गीता का जिक्र किया। उनसे सवाल किया गया कि आप हम भारत के लोग को कैसे देखते हैं। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हमारा संविधान कोई नया दस्तावेज नहीं है। भारत एक प्राचीन संस्कृति है। हमारे आदर्श हैं। हमारे मूल्य हैं और संविधान बनाने वाले लोग वो थे जिन्हें भरपूर ज्ञान अपने मूल्यों और आदर्शों का था।

'भगवत गीता सारे शास्त्रों का सार'

आरिफ मोहम्मद खान ने आगे कहा कि हमारे यहां कहा गया है भगवत गीता सारे शास्त्रों का सार है। इसमें कहा गया है कि हम सब जो भी हैं इस दुनिया में वो सब क्रियाशील हैं। हम सबको जिंदा रहने के लिए काम करना पड़ता है। हम मानते हैं कि जिनको आत्मज्ञान नहीं है वो अपनी इच्छाओं के लिए जीवन में संघर्ष करता है, लेकिन जिसको आत्मज्ञान है वो अपने लिए जिंदा नहीं रहता है। उसका जीवन में लक्ष्या मानव कल्याण का होता है।

राज्यपाल ने कहा कि मुझे संविधान की हर पंक्ति में गीता की शिक्षा नजर आती है। समानता पहली चीज नहीं है। पहली चीज मानव प्रतिष्ठा है। बाकी चीजें इसी की कल्पना से निकलती है। ये कल्पना दुनिया में 1948 में स्वीकार की गई। UN में इसे माना गया और हर देश ने इसपर साइन किया। उन्होंने कहा कि हम भारत के लोग अगर आदर्श और मूल्यों को समझ गए होते तो शायद 1948 में UN चार्टर ऑफ ह्यूमन राइट्स की जरूरत ही नहीं पड़ती। भारत ने हजारों साल पहले दुनिया को मानव प्रतिष्ठा का ज्ञान दिया। आरिफ मोहम्मद ने कहा कि अगर हम इन चीजों को समझ गए होते तो दुनिया में हमारी किसी से कोई तुलना ही नहीं होती। स्वामी विवेकानंद बार-बार कहते थे कि भारत के पास दुनिया को देने के लिए संदेश है। और आज दुनिया ऐसे संदेश के लिए भूखी है।

मराठी विवाद पर क्या बोले राज्यपाल

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मराठी विवाद पर कहा है कि ये हमारी कमी है कि हम अपने लोगों को अपने आर्दशों और मूल्यों से परिचित नहीं करा पाए। अगर ज्ञान होता तो कोई ये नहीं कहता कि मेरी भाषा दूसरी भाषा से बेहतर है। हमारे यहां कहा गया है कि जितनी भाषा बोली जाती है वो सब मां सरस्वती से जुड़ी हैं। किसी की सभ्यता को समझने के लिए भाषा से बड़ी कोई चीज नहीं होती। राज्यपाल ने कहा कि कौन सी भाषा मेरी नहीं है। सारी भाषा मेरी है। जितनी भाषा को सीख सकते हो सीखो।

शिल्पा शेट्टी ने मराठी भाषा विवाद पर रखी राय, कहा– महाराष्ट्र की लड़की हूं

मराठी भाषा विवाद तब शुरू हुआ जब राज्य सरकार ने राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शामिल करने की योजना बनाई।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म के प्रमोशनल इवेंट में हिस्सा लिया। यहां उनसे मराठी भाषा पर चल रहे विवाद के बारे में पूछा गया। इस पर शिल्पा शेट्टी ने कोई भी कमेंट करने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वह किसी भी तरह के विवाद को बढ़ावा नहीं देना चाहती हैं।

शिल्पा ने सवाल को किया नजर अंदाज

शिल्पा शेट्टी बृहस्पतिवार को मुंबई पहुंचीं और अपनी अपकमिंग फिल्म 'केडी-द डेविल' के प्रमोशनल इवेंट में हिस्सा लिया। इस इवेंट में कन्नड़ फिल्म का टीजर जारी किया गया। इसी दौरान उनसे कहा गया कि वह मराठी भाषा विवाद पर कोई बयान दें लेकिन उन्होंने इस सवाल को टाल दिया और कहा कि उनकी जड़ें 'मराठी मुल्गी' हैं।

संजय दत्त ने दिया शिल्पा का साथ

शिल्पा शेट्टी ने कहा 'मैं महाराष्ट्र की लड़की हूं। आज हम फिल्म केडी के बारे में बात कर रहे हैं। अगर आप किसी दूसरे विवाद के बारे में बात कर रहे हैं तो मैं इसे बढ़ावा नहीं दे सकती। यह फिल्म कई भाषाओं में रिलीज होने वाली है और हम इसे मराठी में भी डब कर सकते हैं।' शिल्पा शेट्टी के सह-कलाकार संजय दत्त ने भी विवाद से दूरी बनाए रखी। वह शिल्पा के बयान पर मुस्कुराते हुए नजर आए।

क्या है मराठी भाषा विवाद?

आपको बता दें कि मराठी भाषा विवाद तब शुरू हुआ जब राज्य सरकार ने राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शामिल करने की योजना बनाई। इस आदेश पर राज्य के विपक्ष और भाषा समर्थक समूहों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। हालांकि महाराष्ट्र की भाजपा सरकार ने अपने आदेश को पलट दिया है, लेकिन इस पर बहस अभी भी जारी है।

शिल्पा की फिल्म के बारे में

आपको बता दें कि शिल्पा शेट्टी जल्द ही फिल्म 'केडी द डेविल; में नजर आएंगी। शिल्पा के अलावा, इस फिल्म में ध्रुव सर्जा, संजय दत्त, रीशमा नानैया, रमेश अरविंद, रविचंद्रन जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे।

फिल्म का टीजर 10 जुलाई को जारी किया गया था। दो मिनट का यह टीजर कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में रिलीज किया गया था।

एली अवराम ने शेयर की हॉट तस्वीरें, लेदर जैकेट में दिखा ग्लैमरस अंदाज़

बॉलीवुड एक्ट्रेस एली अवराम ने अपने नए फोटोशूट की बोल्ड तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर फैंस का दिल जीत लिया है। लेदर जैकेट में उनका यह ग्लैमरस अंदाज़ सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। एली ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ग्रै जो उनकी इस दमदार और सिज़लिंग पर्सनालिटी को बखूबी दर्शाता है। फोटोशूट में एली ने मरून कलर की स्टाइलिश लेदर जैकेट पहनी है, जिसमें उनका कॉन्फिडेंस और एलिगेंस साफ झलक रहा है। ओपन हेयर, स्मोकी आई मेकअप और गोल्डन इयररिंग्स ने उनके लुक को और भी एट्रैक्टिव बना दिया है। फोटोज़ में उनका पोज़ और एक्सप्रेशन फैंस को दीवाना बना रहा है।

एली अवराम का यह फोटोशूट इस बात का सबूत है कि वह सिर्फ टैलेंटेड एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि फैशन और स्टाइल की क्वीन भी हैं। कुछ ही घंटों में इस पोस्ट पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं, जहां फैंस उन्हें स्तब्ध करने वाला और फैशन दिवा जैसे कमेंट्स से नवाज़ रहे हैं। एली की यह तस्वीरें एक बार फिर साबित करती हैं कि उनका हर अंदाज़ फैंस को इम्प्रेस करने में कामयाब रहता है।

मुनव्वर फारुकी के शो में शामिल हुईं खुशी मुखर्जी, बोलीं– मुझे गर्व महसूस हो रहा है

एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी ने कमीडियन मुनव्वर फारुकी द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो द सोसाइटी में शामिल होने के अनुभव को साझा किया।

इस शो में शामिल होने की उत्सुकता जताते हुए खुशी ने कहा, शो में जाना मेरे लिए एक खास एहसास है। इस शो का हिस्सा बनने पर मुझे गर्व महसूस हो रहा है और सच में इंतजार नहीं कर सकती कि लोग मुझे एक नए अंदाज में देखें। पिछले कुछ महीनों में, मैंने लोकप्रियता के अच्छे और बुरे दोनों पहलू देखे हैं। कुछ लोग मेरे लिए मजबूत सहारा बने, लेकिन बहुत सारे लोग ऐसे भी थे, जिन्होंने मुझे नीचे गिराने की कोशिश की।

उन्होंने कहा, मैं इन बातों की परवाह किए बिना अपने काम और खुद पर ध्यान दे रही हूं ताकि अपने दर्शकों का मनोरंजन कर सकूं। मुझे शो के बारे में ज्यादा कुछ बताने की इजाजत नहीं है, लेकिन हां, मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि यह एक ऐसा शो होगा, जो भारत जैसे देश के लिए बिल्कुल नया होगा। मैं वाकई बहुत उत्साहित हूं और दर्शकों से प्यार और सपोर्ट मिलने की उम्मीद कर रही हूं।

बता दें कि मुनव्वर फारूकी जियोहॉटस्टार के शो द सोसाइटी को होस्ट करेंगे। इस शो को कब और कैसे देखा जा सकेगा, इसकी जानकारी अभी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई है।

7 जुलाई को जियोहॉटस्टार ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर इस शो का टीजर शेयर किया था, जिसमें कुछ लोग रेड कलर की आउटफिट में कैमरे की तरफ बढ़ते दिखाई दे रहे थे। जब वे पास से गुजरे, तो कैमरा मुनव्वर फारूकी पर जूम किया गया, जो टक्सीडो पहने चार लोगों के सामने खड़े थे और उनके चेहरे काले मास्क से ढके हुए थे।

टीजर शेयर करते हुए स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने लिखा, गेम मास्टर मुनव्वर फारूकी आपका स्वागत करते हैं द सोसाइटी में! थोड़ा सावधान रहिए, यहां के नियम भी इनके जैसे अलग और हटके हैं।

द सोसाइटी के अलावा, खबर है कि खुशी मुखर्जी बिग बॉस के अगले सीजन में भी शामिल हो सकती हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com